सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 189 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 23 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

एक पूरी पाठशाला थी रजनी

कहते हैं माता ही शिशु की पहली शिक्षक होती है। वह न केवल उसे उठना, बैठना, चलना-दौड़ना और अपने हाथों से भोजन आदि करना सिखाती है बल्कि उसकी भाषा और व्यवहार को भी मर्यादित करती है। पर यदि माता ही जीवन में आगे बढ़ने का मंत्र भी दे तो उसका कद निश्चित तौर पर और बड़ा हो जाता है। कुछ ऐसी ही थी रजनी। अपने छोटे से जीवन में उसने वह सबकुछ किया जो बहुत कम माता-पिता अपने बच्चों या परिवार के लिए कर पाते हैं। वह न केवल स्वयं गुणों की खान थी बल्कि ईश्वर ने उसे वह विधा भी सौंपी थी जिससे वह औरों को प्रेरित कर पाती थी और प्रशिक्षित भी कर पाती थी। उसके सान्निध्य में बच्चों ने न केवल तमाम तकलीफों के बावजूद कड़ी मेहनत करना सीखा बल्कि हर पल, हर क्षण अपने कौशल को भी बढ़ाते चले गए। सीखने की यह जिज्ञासा आज व्याहारिक और व्यावसायिक जीवन में भी बच्चों का मार्गदर्शन कर रही है। उसने स्वयं को कभी भी अपने परिवार तक सीमित नहीं रखा बल्कि जो भी उसके संस्पर्श में आया, उसने उससे कुछ न कुछ अवश्य सीखा। किसी ने मेहंदी सीखी, किसी ने सिलाई-कढ़ाई सीखी तो किसीने रंगोली बनाना सीखा। कुछ लोगों ने उनके सान्निध्य में ही सॉफ्ट टॉयज बनाना सीखा। यह सब वह दौर था जब स्किल डेवलपमेंट की बातें सरकारी स्तर पर शुरू भी नहीं हुई थीं। आज यही स्किल डेवलपमेंट रोजगार का मूलमंत्र बन गया है। अब विद्यार्थी चाहे स्कूल का हो या कालेज का, बार-बार उसे स्किल सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सबसे बढ़कर उसने लोगों को लाइफ स्किल सिखाया। चुनौती कितनी भी बड़ी या गंभीर क्यों न हो, उसने सिखाया कि कुछ करने से ही कुछ होता है। सोच चाहे कितनी भी अच्छी क्यों न हो, यदि उसपर अमल न किया जाए तो उसका कोई नतीजा नहीं निकलता। इन्हीं सब बातों का पुण्यस्मरण करते हुए आज हम सभी श्रीकंचनपथ की संस्थापक रजनीजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

-राजेश अग्रवाल

समर सीजन में छत्तीसगढ़ से 18 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, देशभर में 908 गाड़ियां लगाएंगी फेरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (बिलासपुर जोन) से 18 समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनका संचालन 15 अप्रैल से शुरू हो चुका है और 15 जुलाई तक चलेगा। इस अवधि में ये ट्रेनें कुल 88 फेरे लगाएंगी।

वहीं, देशभर में 908 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी दी गई है, जो मिलकर 18,262 फेरे संचालित करेंगी। रेलवे प्रशासन के मुताबिक, बिलासपुर जोन से मंजूर 18 स्पेशल ट्रेनों में से 13 का संचालन शुरू हो चुका है, जबकि बाकी ट्रेनें चरणबद्ध तरीके से जल्द चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें प्रमुख गंतव्यों के बीच चलेंगी, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को राहत मिलेगी।

भारतीय रेलवे ने समर सीजन के लिए देशभर में 908 विशेष ट्रेनों को मंजूरी दी है। ये ट्रेनें 15 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच कुल 18,262 फेरे लगाकर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालेंगी। भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे ने प्रमुख स्टेशनों बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, इतवारी, रायगढ़ और शहडोल में विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इनमें अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल व्यवस्था, प्रतीक्षालयों में सुधार, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

कन्फर्म टिकट की उम्मीद बढ़ी

रेलवे का दावा है कि, इन विशेष ट्रेनों के संचालन से ट्रेनों में भीड़ कम होगी और वेटिंग लिस्ट में भी गिरावट आएगी। इससे यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी और सफर ज्यादा आरामदायक होगा।

विरोध के बाद बदला निर्णय, सरकारी कर्मियों के आदेश पर सरकार की रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक दिन पहले जारी किए गए आदेश पर रोक लगा दी है। 21 अप्रैल को शासकीय सेवकों के लिए आचरण नियमों को लेकर पहले सख्त निर्देश जारी किए। कर्मचारी संगठनों द्वारा इसका विरोध किए जाने के बाद अब इन पर फिलहाल रोक लगा दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत सभी विभागों, संभागायुक्तों, कलेक्टरों और विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा था कि पूर्व आदेश को स्थगित किया गया गया है। पूर्व आदेश में सरकारी कर्मचारी को किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि, संगठन या अन्य पदों पर सक्रिय रहने पर रोक लगाई गई थी।

21 अप्रैल को जारी निर्देशों में साफ कहा गया था कि कोई भी शासकीय सेवक किसी राजनीतिक दल या संगठन का सदस्य नहीं बनेगा और न ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा ले सकेगा। साथ ही अधिकारी के बिना अनुमति के किसी भी संस्था, समिति या संगठन में पद धारण करने पर भी रोक लगाई गई थी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया था कि शासकीय सेवक किसी ऐसे पद या जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करेंगे, जिससे उनके कार्यों की निष्पक्षता प्रभावित हो। नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

आगामी आदेश तक आदेश पर रोक

हालांकि, 22 अप्रैल 2026 को जारी नए आदेश में सामान्य प्रशासन विभाग ने इन सभी निर्देशों को आगामी आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है। उप सचिव अंशिका पांडेय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 21 अप्रैल के आदेश के निर्देश फ्लिहाल प्रभावी नहीं रहेंगे, जिससे अब इन नियमों पर कार्रवाई पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने किया था विरोध

इस आदेश के स्थगित होने पर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि कर्मचारी संगठन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगे सरकार के समक्ष रखता है, इस तरह का आदेश इस व्यवस्था के विपरीत था। इसे लेकर हमने सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव और उपसचिव के समक्ष कड़ा विरोध किया था जिसके बाद फैसले पर रोक लगाया गया है।

छत्तीसगढ़ में गर्मी का कहर 44 डिग्री तक पहुंचा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गर्मी अब अपने तेवर दिखाने लगी है। बुधवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, वहीं गुरुवार को इसके 44 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सुबह 8 बजे के बाद से ही धूप इतनी तेज हो जाती है कि लोग बाहर निकलने से बच रहे हैं।

दोपहर 12 बजे के बाद शहर की कई सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। जरूरी काम से निकलने वाले लोग गमछा, टोपी और कपड़ों से चेहरा ढंककर ही बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 44.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री रहने का अनुमान है। शुक्रवार को तापमान में और 1 डिग्री बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है।

तेज लू और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि कूलर भी ज्यादा राहत नहीं दे पा रहे। शाम तक गर्म हवाओं का असर बना रहता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि, आने वाले पूरे सप्ताह अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री के बीच बना रह सकता है। हालांकि बीच में एक दिन तापमान में मामूली गिरावट की संभावना है।

15 मई से 21 मई तक होगी 10वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षा, सीबीएसई ने जारी की डेटशीट

नईदिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10 की दूसरी परीक्षा 2026 की डेटशीट जारी कर दी है। कक्षा 10 की दूसरी बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल उम्मीदवार सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in पर देख सकते हैं। जारी डेटशीट के मुताबिक, 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुक्रवार 15 मई से गणित की परीक्षा के साथ शुरू होंगी और 21 मई को सोशल साइंस की परीक्षा के साथ समाप्त होंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगी। परीक्षा की अवधि विषय के अनुसार 2 या 3 घंटे की होगी।

कोरबा में खौफनाक वारदात : पत्नी का सिर काटकर गांव में घूमता रहा आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के रजगामार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुंदेली से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। सालिक राम यादव नाम के व्यक्ति ने अपनी पत्नी छेक बाई की हत्या कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना के बाद आरोपी कटा हुआ सिर लेकर गांव में घूमता रहा। गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस पहुंची तो बोला- सर इसकी मुंडी मैंने काट दिया। मैं इसको बहुत प्यार करता था। अपने जान से ज्यादा। इसीलिए इसे चाकू से काटा हूं।

मिली जानकारी के अनुसार सालिक राम यादव सतरंगा (45) ग्राम बुंदेली का रहने वाला है। पिछले कई सालों से गांव के कौशल साहू के पोल्ट्री फार्म में चौकीदारी का काम करता था। वह अपनी पत्नी छेक बाई (42) और 4 बच्चों के साथ वहीं रहता था। पत्नी अपने पति सालिक राम के चरित्र पर शंका करती थी। इसी बात को लेकर आए दिन उसका पत्नी के साथ विवाद होता रहता था। बुधवार को दोनों के बीच चरित्र शंका को लेकर विवाद हुआ। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सालिक राम ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान सालिक राम ने पत्नी का गला धड़ से अलग कर दिया।

पत्नी का कटा सिर लेकर गांव में घूमता रहा आरोपी

घटना के बाद आरोपी पति कटा हुआ सिर लेकर गांव में घूमता रहा। सूचना मिलते ही कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी और रजगामार चौकी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जब आरोपी से पूछा कि उसके शरीर पर खून के निशान कैसे हैं। तो उसने बताया कि ये मेरी पत्नी के खून हैं, जिससे मैं प्यार करता था। उसने बताया पत्नी को मारने के बाद बोरी में उसके सिर को लेकर बालको थाने जाने वाला था। लेकिन उससे पहले पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी सालिक राम यादव को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवकाश स्वीकृत होने पर ही जा सकेंगे सरकारी कर्मचारी, सरकार का निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सुशासन तिहार एवं जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए परिपत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि कोई भी शासकीय सेवक सक्षम प्राधिकारी द्वारा अवकाश स्वीकृत किए जाने से पूर्व अवकाश पर प्रस्थान नहीं करेगा। बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित रहना स्वैच्छिक अनुपस्थिति मानी जाएगी और इसे सेवा नियमों के तहत ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) के रूप में देखा जा सकता है।

सभी शासकीय सेवक को आकस्मिक अवकाश की स्थिति में भी यथासंभव दूरभाष या डिजिटल माध्यम से पूर्ण सूचना देना अनिवाय होगा, जिसकी लिखित पुष्टि कार्यालय आगमन के तत्काल बाद करनी होगी। अवकाश परिस्थिति में लंबे अवकाश (अर्जित अवकाश आदि) पर जाने से पूर्व संबंधित शासकीय सेवक को अपने कार्यों का प्रभार अन्य अधिकारी कर्मचारी को विधिवत सौंपना अनिवार्य होगा। राज्य शासन द्वारा शासन के समस्त विभागों, अध्यक्ष राजस्व मण्डल छत्तीसगढ़ बिलासपुर, समस्त विभागाध्यक्ष, समस्त संभागायुक्त एवं सभी जिलों के कलेक्टरों को इस आशय का पत्र जारी किया गया है कि शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। दरअसल यह निर्देश सरकार ने जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम के कारण लिया है।

अमित जोगी के सरेंडर पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अमित जोगी के सरेंडर करने पर रोक लगा दी है। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई से भी जवाब मांगा है। बता दें रामावतार जग्गी हत्याकांड में दोषी ठहराते हुए हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आईपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। अमित जोगी ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार को अमित जोगी के सरेंडर पर अगली सुनवाई तक रोक लगाई।

मिर्जापुर में हादसा-11 की मौत, बोलेरो में 9 जिंदा जले, बेटे का मुंडन कराकर लौट रहा था परिवार

मिर्जापुर ए.। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार रात सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इसमें बोलेरो सवार 9 लोग जिंदा जल गए। हादसा रात 9.30 बजे मिर्जापुर-रीवा नेशनल हाईवे पर हुआ।पुलिस के मुताबिक, एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ब्रेक फेल होने से बेकाबू हो गया। ट्रक ने आगे चल रही बोलेरो और स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। दोनों गाड़ियां आगे चल रहे एक ट्रॉले से जा टकरा गईं।

तेज धमाके के साथ उसमें आग लग गई। जबकि, स्विफ्ट कार ट्रक और ट्राले के बीच में फंस गई। आग इतनी भीषण थी कि बोलेरो सवार 9 लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। इसमें एक ही परिवार के 8 लोग और एक ड्राइवर था। करीब ढाई घंटे तक बोलेरो जलती रही। मौके पर चीख

पुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए आए, लेकिन आग तेज होने की वजह से कोई पास नहीं जा पाया। पुलिस के मुताबिक, रामपुर गांव निवासी अरुण सिंह का परिवार नौ साल के बेटे शिव का मुंडन कराने के बाद मैहर से मिर्जापुर लौट रहा था। बोलेरो में पंकज सिंह, बीना, वंदना, पीयूष, प्रियंका, कार्तिकय, सोनम सवार थे। विष्णु बोलेरो चला रहा था। मध्य प्रदेश की तरफ से गिट्टी लादकर आ रहे ट्रेलर का ब्रेक बुधवार की रात अचानक फेल हो गया। इससे अनियंत्रित ट्रेलर ने वाराणसी नंबर की स्विफ्ट कार में टक्कर मारी और उसे रौंदते हुए एक ट्रक से जा भिड़ा। इस बीच रीवा की तरफ से आई बोलेरो पीछे से ट्रेलर से टकरा गई। इससे जोरदार धमाका हुआ और बोलेरो में आग लग गई।

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

लू के थपेड़ों से जन-जीवन पर तपिश

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें।

“ अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस सप्ताह दिल्ली में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के बीच प्रश्न यह है कि अप्रत्याशित गर्मी क्यों बढ़ रही है। दरअसल, अप्रैल माह में प्री-मानसून हीट पीरियड के चलते जमीन पर पड़ने वाली तेज धूप गर्मी का एक कारण है। बताया जाता है कि हिमालयी क्षेत्रों में कम बर्फबारी भी गर्मी बढ़ने का एक कारक है। वहीं समुद्री सतह के गर्म होने से भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। फलत: वातावरण में ठंडक लाने वाली हवाएं व सिस्टम कमजोर होने से, वे ही गर्मी बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वहीं शुष्क हवाएं बादल बनने में अवरोध पैदा करके बारिश की संभावना को कम कर दे रही हैं। निश्चित रूप से यह जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भी देन है। यह वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी और तापमान बढ़ने की चिंता भी दर्शाता है। आशंका है कि भविष्य में तापमान में तीव्रता और बार-बार हीटवेव चलने की स्थिति बढ़ सकती है। हाल-फिलहाल मानसून से पहले की फुहारों के कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, जिसका मतलब है कि जल्दी बारिश न होने से इस माह के बाकी दिनों में भी हमें गर्मी की तपिश झेलने को मजबूर होना पड़ेगा।

कांशी राम की विरासत हासिल करने की जुगत

त्रिलोक दीप

राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा।

पिछले दिनों लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम को 'सामाजिक न्याय का योद्धा' और 'सशक्तीकरण का प्रतीक' बताते हुए उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिए जाने की मांग की। इस आशय का एक पत्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखकर उन्हें सम्मानित करने के लिए कहा। यह मांग राहुल गांधी ने लखनऊ में 15 मार्च, 2026 को कांशी राम के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए की। राहुल गांधी ने उनकी विचारधारा की प्रशंसा की और कांग्रेस की पिछली गलतियों को स्वीकार करते हुए उनके संघर्ष को याद किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कांशी राम को एक ऐसे नेता के तौर पर स्मरण किया जिन्होंने दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए अपने जीवन में कभी समझौता नहीं किया। यहां तक तो ठीक है लेकिन राहुल गांधी ने यह कहकर कि अगर नेहरू जी जीवित होते तो कांशी राम कांग्रेस के मुख्यमंत्री बनते, उनके कद को छोटा करने का प्रयास किया है।

उधर दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलित वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशी राम का सम्मान नहीं किया। इस कदम को 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलित मतदाताओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस इस कदम के जरिये दलित वोट बैंक को फिर से अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने पूछा कि जब कांशी राम का निधन हुआ था तब कांग्रेस ने एक दिन का शोक तक नहीं मनाया था और वह अब किस मुंह से

उन्हें 'भारत रत्न' देने की मांग कर रही है। मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलितों के प्रति कांग्रेस का दिखावा बताया और कांशी राम की विरासत को हथियाने का प्रयास करार दिया।

राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। राहुल गांधी आज स्वीकार करते हैं कि वह कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में समझते हैं और इसीलिए वह लोकसभा के भीतर और बाहर भी दलितों, शोषितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों के अधिकारों जैसे मुद्दे खूब उठाते रहते हैं। संभव है वह यह साबित करना चाहते हों कि कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में वही समझते हैं और इन वर्गों की बदहाली का मुद्दा उठाते रहते हैं। राहुल गांधी का यह मानना है कि वह बसपा को हड़पने का कोई इरादा नहीं रखते बल्कि कांशी राम की सोच और विचारधारा का विस्तार कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा के नतीजे इसका स्पष्ट संकेत देते हैं। दलितों, शोषितों और पिछड़ा वर्ग ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन को तरजीह दी थी। जिसके चलते बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। कभी बसपा के लोकसभा में 14 सांसद थे। यह बात 1999 की है, तब बसपा के सुप्रीमो कांशी राम थे।

कांशी राम से मेरी बीसियों मुलकातें हैं। उनके जुनून को मैंने नज़दीक से देखा है। उन्हें दिल्ली के रेहगड़पुरा (करोलबाग के पास) एक छोटे से कमरे में भी देखा है और हुमायूं रोड वाले सांसदों के बंगले में देखा। उनके रहन-सहन में कोई फर्क नहीं दिखा। वह जैसे सीधे-साधे, साफगो इंसान पहले थे, यहां भी वैसे ही दिखे। फिर कांशी राम को 1971 में अखिल भारतीय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के शिक्षित सदस्यों से बने संगठन 'बामसेफ', 1981 में दलित, शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएस4) के निर्माण करते देखा, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारी संस्थाएं न तो धार्मिक हैं और न ही राजनीतिक और न ही हमारा उद्देश्य आंदोलन करना है बल्कि हमारा यह सामाजिक संगठन है। उस समय उनका नारा था—'ब्राह्मण, ठाकुर, बनिया छोड़, बाकी सब डीएस4'। इसके माध्यम से दलितों, शोषितों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच चेतना जगाई और उनकी सहायता से जगह जगह छितरे मतों का एकीकरण करने का काम किया। अभी तक ये सभी मत थोक भाव से कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों के बीच विभाजित हो जाया करते थे। लिहाज़ा 1984 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की और नारा दिया 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी'। 1984 में निर्मित बसपा के संस्थापक कांशी राम छत्तीसगढ़ के जांजगीर से लोकसभा के चुनावी मैदान में कूदे और हार गए। 1988 और 1989 का चुनाव हारने के बाद कांशी राम ने कहा था कि 'बसपा पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा नज़र में आने के लिए और तीसरा जीत दर्ज करने के लिए लड़ती है।' कांशी राम 1991 में इटावा और 1996 में होशियारपुर से लोकसभा के चुनाव जीते और 1998-2004 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। इन चुनाव परिणामों से राजनीति में बसपा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो गया। अब पार्टी के लोग कांशी राम को 'मान्यवर', 'साहब कांशी राम', 'बहुजन नायक कांशी राम' आदि से संबोधित करने लगे थे। इसी प्रकार मायावती ने 1989 में बिजनौर से भारी मतों से लोकसभा का चुनाव जीत कर बसपा की धाक जमा दी। लेकिन कांशी राम ने मायावती का कार्य क्षेत्र उत्तरप्रदेश तक ही सीमित रखा। लिहाज़ा 1995 में उन्होंने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला और वह चार बार राज्य की मुख्यमंत्री रहीं 1995, 1997, 2002-2003 तथा 2007-2012 तक। पहली तीन बार वह भाजपा के बाहरी समर्थन से मुख्यमंत्री रहीं जबकि 2007-2012 तक शुद्ध बसपा की बदौलत। तीन बार सांसद होने के बावजूद कांशी राम का मन संसद में नहीं रमता था और सांसद के तौर पर उनका योगदान अधिक नहीं रहा। उन्होंने मुझे बड़ी बेबाकी से बताया था कि 'यहां बैठकर वक्त ज़ाया करने से बेहतर है पार्टी संगठन को मज़बूत करना।' कांशी राम अक्सर कहते थे कि हम लोग देश की आबादी का 70 फीसदी से ज्यादा हैं। हमारा शोषण ये तथाकथित बड़ी पार्टियां कई दशकों से करती आ रही हैं। उन्हीं के खिलाफ हमारी लड़ाई है।

वे कहते थे मैं अपने 'हक़ की अलख' जगाये रखने के लिए उत्तर से दक्षिण तथा पूरब से पश्चिम चक्कर लगाता रहता हूं। बेशक उनके जुनून और परिश्रम ने बसपा को मज़बूत कर दिया लेकिन उनकी सेहत की कीमत पर। उन्होंने सितम्बर, 2003 को पार्टी की बागडोर मायावती को सौंप दी। 9 अक्तूबर, 2006 को 72 साल की उम्र में कांशी राम का निधन हो गया।

कांशी राम के निधन के बाद बसपा में एकजुटता का अभाव ही दिखाई दिया। 2019 में उत्तरप्रदेश विधानसभा में 19.3 प्रतिशत मत प्राप्त कर दूसरी बड़ी पार्टी थी जबकि 2022 में खिसक कर चौथे स्थान पर आ गयी और उसके मतों की संख्या सिकुड़ कर 12.88 फीसदी रह गयी। 2007 में विधानसभा में 206 सीटें थीं जो 2012 में घटकर 80 रह गयी। उसके बाद तो बसपा पतनोमुखी ही होती चली गयी। 2017 में उसकी 19 सीटें थीं तो 2022 में मात्र एक उमाशंकर सिंह के रूप में। चुनावी विश्लेषक जानें लेकिन उसकी कमज़ोर होती कड़ी का लाभ कांग्रेस नेता राहुल गांधी खूब उठा रहे हैं। वे आज की राजनीति में कांशी राम का 'विकल्प' बनने की कोशिश कर रहे हैं तो इसकी वजह वर्तमान बसपा नेतृत्व को खोजनी होगी।

गुरुकुलों में बच्चों को 4 बजे उठा देते हैं, जबकि हम घर में 'स्लीप कॉप' बने रहते हैं

एन. रघुरामन

1960 के दशक में तमिलनाडु में नानाजी के गांव में बिताई गर्मी की छुट्टियां असल में समर क्लासेस ही होती थीं। आमतौर पर हमें सुबह 4 से 4.30 बजे के बीच जगा कर सभी भाई-बहनों को कोई काम दिया जाता था। जैसे, सबसे बड़ा बच्चा कुएं से पानी निकालकर बैकयार्ड में रखे 'हुंडा' नाम के बर्तनों को भरेगा, जबकि छोटे बच्चे बड़ों की मदद करेंगे। बच्चों के लिए चाय-कॉफी नहीं होती थी। हमेशा रागी का दलिया मिलता था। इससे पेट इतना भरा महसूस होता कि 10 बजे लंच होने तक कुछ और खाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। 4.30 से 10 बजे के बीच बच्चों को कुएं के ठंडे पानी से नहाना होता था। फिर मंदिर जाकर आसपास की सफाई, हाथ-पैर धोकर नाना के साथ श्लोक बोलना, पुजारी से मिला गरम-गरम प्रसाद खाना और घर लौटते वक्त बाजार से नानी के लिए खाना पकाने का कुछ सामान लाना होता था। घर पहुंचकर इडली-डोसा

के लिए 'गन पाउडर' जैसे मसाले कूटने में नानी की मदद करते। अपने कपड़े तह करके सूटकेस में जमाते, ताकि ताजा धुले कपड़ों के लिए रस्सी पर जगह बन सके। ये कुछ रोजमर्रा के काम थे, जो लंच से पहले पूरे करने होते थे।

इसके बाद हमें आध्यात्मिक किताबें पढ़नी होती थीं, जहां हमारे संस्कृत उच्चारण की जांच होती थी। अर्थ पूछे जाते थे और क्विज तक भी होते थे। नानाजी पूछते थे कि 'वेद दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक ग्रंथ हैं, इन्हें किसने संकलित किया?' हम जवाब नहीं दे पाते तो वे विकल्प देते थे, जैसे 'विश्वामित्र, व्यास, वाल्मीकि और वशिष्ठ।'

हम फिर भी चुप रहते तो वे न सिर्फ सही जवाब (व्यास) बताते, बल्कि पूरी कहानी भी सुनाते थे- ताकि हम कभी भूलें नहीं। वे बताते कि पहले कैसे वेद ही एकमात्र ज्ञान के स्रोत थे और कैसे वेदव्यास ने उन्हें चार भागों में बांटा। नानीजी भी थोड़ी देर के लिए रसोई बंद करने के बाद हमारे साथ बैठतीं और फिर खेल शुरू होते थे।

दोपहर में बड़े लोग कॉफी पीते, जबकि बच्चे बैकयार्ड से नारियल लाकर उसके पानी और फिर बचे नारियल का लुत्फ उठाते थे। शाम को फिर मंदिर जाना, आरती करना और शाम 7 बजे से पहले घर लौट कर भोजन करना होता था। फिर नानाजी के साथ कहानी सुनने का समय होता था। सामान्यत: 8.30 बजे तक गांव में शांति हो जाती और सभी गहरी नींद में सो जाते थे। हमारा घर किसी गुरुकुल से कम नहीं था, जहां बच्चे जल्दी उठते, पढ़ाई करते, घर के काम में हाथ बंटाते थे- फिर भी सोने तक उनमें उत्साह बना रहता होगा।

अब 2026 पर आते हैं। अगर आप टीनेजर्स के पैरेंट्स हैं तो सोने का वक्त घर में जंग का मैदान बन सकता है। आधुनिक पैरेंट्स 'स्लीप कॉप', या कहें 'बैडटाइम कॉप' बन जाते हैं- क्योंकि हर पैरेंट्स को चिंता रहती है कि बच्चे ठीक से सो तो रहे हैं या अगले दिन स्कूल/कॉलेज के लिए थक तो नहीं जाएंगे।

हम जानते हैं कि हम उन्हें विफलता की दिशा में धकेल रहे हैं, फिर भी हम उन्हें बिस्तर पर जाने को कहते हैं, जबकि उनका शरीर नींद के लिए तैयार ही नहीं होता। सरलता से कहें तो हम बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे नेचरल बॉडी क्लॉक को नजरअंदाज कर दें।

तो पैरेंट्स क्या कर सकते हैं? बच्चों को आराम का नियमित समय तय करने के लिए प्रोत्साहित करें। प्री-स्लीप एक्टिविटीज करें, जिनमें स्क्रीन शामिल न हो। इस बारे में व्यावहारिक उम्मीदें रखें कि उनका शरीर सोने के लिए कब तैयार होता है। ऐसे एप्स भी हैं, जो युवाओं को नींद और बॉडी क्लॉक के लिए पर्सनलाइज्ड-प्लान बनाने में गाइड करते हैं। धीरे-धीरे ऐसी गतिविधियां बढ़ाएं, जो सोने और जागने का समय स्थिर करने में उनकी मदद करें और नींद की अवधि बढ़ाएं।

फंडा यह है कि कम से कम इस गर्मी की छुट्टी अपने घर में गुरुकुल जैसी जीवनशैली अपनाएं, ताकि आपको शेष पूरे साल 'स्लीप कॉप' न बनना पड़े।

कच्ची पर्ची पर रोक से किसानों को राहत की पहल

डॉ. वीरेन्द्र

हरियाणा की कृषि मंडियों में अनेक आढ़ती तय नियमों का उल्लंघन कर किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देते रहे व बीज-उर्वरक-कृषि रसायन आदि बेचते रहे हैं। इस संबंधी हाईकोर्ट के फैसले पर अमल के बाद इस कथित मनी लॉन्ड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगा है। जिससे वर्षों से जारी किसानों के साथ अन्याय पर रोक लगेगी।

कृषि लागत और मूल्य आयोग और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में अधिकांश समय, फसल उपज की कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार के स्तर और समर्थन मूल्य से नीचे बनी रहीं और बिचौलिए आढ़तियों द्वारा शोषण के कारण कृषि उपज वस्तुओं के अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। यह हिस्सा फसल और बाजार के आधार पर 28 से 78 प्रतिशत के बीच है। ये चिंताजनक आंकड़े मंडी व्यवस्था में मूलभूत नीतिगत सुधारों की आवश्यकता दर्शाते हैं।

हरियाणा की कृषि उपज मंडियों में बिचौलिए आढ़तियों के शोषण से किसानों को मुक्त करने के लिए, लागू किए गए फसल बिक्री पर धनराशि किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित करने जैसे नीतिगत सुधारों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं। फसल बिक्री से किसानों को मिलने वाली राशि पर आढ़तियों की पकड़ ढीली हुई है।

आढ़तियों की कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। जिसके चलते 1 अप्रैल 2026 को प्रदेश की मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बन्द करने और उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद कानूनी रसीद जे-फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार, अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगने से, प्रदेश के किसानों को 30-40 प्रतिशत यानि गेहूं-धान फसल चक्र में 25-30 हजार रुपये प्रति एकड़ ज्यादा सालाना लाभ होगा। इस फैसले को किसान हित में महत्वपूर्ण कृषि विपणन सुधार माना जा रहा है।

हरियाणा की मंडियों में लगभग 16 करोड़ क्विंटल खाद्यान्न, 1.5 करोड़ क्विंटल तिलहन, एक करोड़ क्विंटल दलहन और 12-15 लाख बेल कपास आदि फसल उपज का वार्षिक विपणन होता है । इन सबका मौजूदा समर्थन मूल्य लगभग 70,000 करोड़ रुपये वार्षिक है। गौरतलब है कि मार्च-2022 से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकार-क्षेत्र में 114 मुख्य मंडियों और कुल 376 उप-मंडियों/खरीद केन्द्रों का विशाल नेटवर्क है, जिसमें लगभग 40 हजार आढ़ती कार्यरत हैं। इन्हें विभिन्न फसलों की बिक्री पर 2 से 2.5 प्रतिशत कमीशन (आढ़त) मिलता है। जो लगभग 1400 करोड़ रुपये वार्षिक बनता है। ऐसे में प्रत्येक आढ़ती को औसत 3-4 लाख रुपये वार्षिक आढ़त बनती है। जो प्रदेश में कुशल श्रमिक के वार्षिक वेतन से भी कम है।

निस्संदेह, प्रदेश की कृषि मंडियों में आढ़तियों की संख्या जरूरत से ज्यादा होने के कारण, वैध आढ़त का धंधा लाभप्रद नहीं रहा। ऐसे में कुछ आढ़तियों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए कच्ची पर्ची व्यवस्था, मनी लॉन्ड्रिंग व नकली बीज-खाद-दवाई बेचने जैसे अवैध धन्धे अपना लिये। वहीं तन्त्र के कुछ भ्रष्ट लोगों की मिलीभगत से किसानों का शोषण और सरकारी धन का गबन करते रहे हैं। आढ़तियों ने कृषि उपज विपणन कमेटी एक्ट-1961 रूल्स-1962 का उल्लंघन कर कच्ची पर्ची सिस्टम से वर्ष-2025 में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में सरकारी धन के गबन को अंजाम दिया। जिसकी राज्य सरकार विभिन्न स्तर पर जांच कर रही है। जबकि किसान संगठन और राजनीतिक दलों के नेता आढ़तियों द्वारा किये गये कथित घोटाले की विस्तृत जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग कर रहे हैं। कथित तौर पर यह सरकारी धन आढ़तियों के जरिये काले धन में प्रवर्तित किया गया।

हरियाणा राज्य कृषि उपज विपणन कमेटी अधिनियम के तहत राज्य कृषि उपज विपणन बोर्ड मंडियों में कृषि उपज की खरीद-फरोख्त करने के लिए कमीशन एजेंट को आढ़त का लाइसेंस देता है जो सरकार के दिशानिर्देश अनुसार व्यापार करने को कानूनी तौर पर बाध्य हैं। लेकिन बिचौलिए आढ़ती मिलीभगत से तय नियमों का उल्लंघन करके मनी लॉन्ड्रिंग धंधे (किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देना आदि) में लगे हुए हैं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 में काले धन को वैध बनाने से रोकने के लिए इन अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति जब्त करने और इनमें शामिल लोगों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त, मजबूर कर्जमंद किसानों को आढ़ती बिना लाइसेंस लिए ही कथित नकली बीज-उर्वरक- कृषि रसायन आदि बेचकर, किसान और खेती को गंभीर नुकसान कर रहे हैं। आढ़तियों की अवैध मनी लॉन्ड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने से हरियाणा की मंडियों में वर्षों से हो रहे करीब दस हजार करोड़ रुपए वार्षिक के किसानों के शोषण और सरकारी धन के गबन पर भी लगाम लग सकेगी और खेती टिकाऊ बनेगी। जिससे कृषि विपणन में क्रान्तिकारी सुधार और लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही आढ़तियों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग व धोखाधड़ी पर नकेल कसेगी।

डिजिटल निमंत्रण में नहीं रिश्तों की धड़कन

पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी- हल्दी-रोली की, घर के आंगन की। अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे-संवरे पर बे-नूर। तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना ज़रूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था। कभी शादियों के निमंत्रण द्वार पर दस्तक के साथ आते थे। मुस्कान के साथ और दो घूंट चाय के साथ। रिश्ते लिफाफे में नहीं, आंखों की गर्माहट में रखे जाते थे। सगाई, मेहंदी, लेडीज़ संगीत- हर बुलावा अपने साथ एक छोटा-सा उत्सव लेकर आता था। घर के बड़े-बुज़ुर्ग नाम पढ़ते-पढ़ते ठहर जाते, अक्षरों को सहलाते जैसे काग़ज़ नहीं बल्कि अपनेपन को छू रहे हों। कार्ड से क्लिक तक का सफर- जहां निमंत्रण आधुनिक तो हुआ पर अपनापन कहीं पीछे छूट गया।

अब निमंत्रण नहीं आता, एक लिंक आता है। डाउनलोड और दो सेकंड में सीन कर दीजिए। क्या समय आ गया है कि रिश्तों का तापमान अब पीडीएफ में नापा जा रहा है। पहले कार्ड की स्याही में सुगंध होती थी- हल्दी-रोली की, घर के आंगन की। अब स्क्रीन पर पिक्सेल हैं, चमकीले सजे-संवरे पर बे-नूर। तब बुलावे के साथ एक आग्रह होता था कि आना ज़रूर, जिसमें जरूर शब्द सचमुच जरूरी लगता था। अब संदेश में लिखा रहता है- योर प्रेजेंस विल बी एप्रीशियेटिड। हम भी उसी औपचारिकता से जवाब दे देते हैं कि नोटेड, कोशिश करेंगे।

पहले बुलावे में मिठास होती थी, अब बस मैसेज में मिठाई का इमोजी रह गया है। और लोग समझ लेते हैं कि मुंह मीठा हो लिया! सच तो यह है कि हम निमंत्रण नहीं, नोटिफिकेशन पाने लगे हैं। न रिश्ता खुलता है, न बात बढ़ती है। बस एक टिक, दो टिक और फिर चुप्पी।

क्यों न कभी-कभी फिर से पुराने ढंग से बुलाएं, दरवाजे पर जाकर दस्तक दें और नाम लेकर कहें कि आपका आना हमारे लिए जरूरी है क्योंकि शादी सिर्फ कार्यक्रम नहीं, रिश्तों का उत्सव है और उत्सव क्लिक से नहीं, कदमों से आते हैं। निमंत्रण काग़ज़ का हो या स्क्रीन का, उसमें अगर दिल नहीं तो वह सिर्फ सूचना है, संबंध नहीं। पहले शादी-ब्याह केवल एक परिवार का कार्यक्रम नहीं होता था, वह पूरे गली-मोहल्ले का उत्सव बन जाता था। बान, हल्दी, भात, रतजगा आदि हर रस्म पर अलग से बुलावा जाता था। यह चाह होती थी कि पड़ोसी-रिश्तेदार सगे-संबंधी सब शामिल हों। यह बदलाव केवल माध्यम का नहीं, मिज़ाज का है। हम सुविधा के इतने आदी हो गए हैं कि संवाद बोझ लगने लगा है। हमने निमंत्रण को इतना डिजिटल कर दिया कि उसमें से दिल ही निकल गया। तब समारोह तारीख भर नहीं रिश्तों की साझी धड़कन हुआ करते। एक बर की बात है अक ताऊ सुरजे के छोरे के ब्याह की जिम्मनवार म्हं उसका पड़ोसी नत्थू भी पहोंच ग्या। नत्थू ताहिं देखते ही सुरजा बोल्या- हां रै! तेरे ताहिं बुलाया तो नीं था। नत्थू बोल्या- फेर यो भी मेरा कसूर सै के?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें

Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दुर्ग में श्याम भजन का आयोजन 15 मई को होगा

भिलाई। धर्मनगरी दुर्ग में श्री श्याम भजन का आयोजन 15 मई को शाम 7 बजे से पुरानी गंजमंडी, गंजपारा, दुर्ग में होगा। आयोजन स्थल पुरानी गंजमंडी, गंजपारा, दुर्ग रखा गया है, जहां शाम 7 बजे से भजन संध्या शुरू होगी। कार्यक्रम में देश-प्रदेश के प्रसिद्ध और ख्याति प्राप्त गायकों को आमंत्रित करने की तैयारी है। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ना और भक्ति संगीत के माध्यम से शहर में आध्यात्मिक वातावरण बनाना है।

जल संकट: 3 दिन में स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन : वोरा

दुर्ग। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा है कि वार्ड क्रमांक 59 में आज भी लगभग 1000 घरों के लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को विवश हैं। क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। नालियों की नियमित सफाई के अभाव में गंदगी और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वहीं जर्जर सड़कों की स्थिति ने जनजीवन को और अधिक कष्टदायक बना दिया है। कई बार शिकायतें और निवेदन किए जाने के बावजूद ठोस कार्यवाही का अभाव प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है। यदि 3 दिन में स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन किया जाएगा।

महतारी वंदन के ई केवाईसी के लिए तेज धूप में लग रही कतार

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने बुधवार को कलेक्टर से मिलकर शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की। ज्ञापन में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी केंद्रों में महिलाओं को हो रही परेशानियों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया। भीषण गर्मी में बड़ी संख्या में महिलाएं लंबी कतारों में खड़ी रहने को मजबूर हैं, वहीं कई केंद्रों पर छाया, पेयजल एवं बैठने जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। साथ ही कुछ स्थानों पर अनियमित शुल्क लिए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिस पर रोक लगाने एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई।

मास्टर्स चैंपियनशिप में ओज और आरव ने जीते स्वर्ण

भिलाई। अंडर वाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से थाइलैंड में हुई वर्ल्ड मास्टर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ियों आरव शर्मा और ओज चंद्राकर ने देश का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतियोगिता के 50 मीटर और 100 मीटर बाईफिन्स इवेंट में आरव शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। ओज चंद्राकर ने 50 मीटर सरफेस स्वीमिंग और 50 मीटर एक्नेना में स्वर्ण पदक जीता। छत्तीसगढ़ फाइन्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव तामेश्वरी घनघोर ने बताया कि उनकी इस उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष अजय गुप्ता, कोच हेमंत परिहार, संयुक्त सचिव खिलेश्वर चंद्राकार, हनु नाग, नंदा साहू और आनंद चंद्राकार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सड़क सुरक्षा : पशुओं की धरपकड़ के साथ ही सड़क अतिक्रमण के खिलाफ जारी है अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने एवं सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से पावर हाउस चौक पर दूसरे दिन भी सख्त कार्रवाई की गई।

निगम की टीम ने उन व्यापारियों एवं ठेला संचालकों पर कार्रवाई की, जो सड़क के बीचों-बीच सामान रखकर या फल-ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे थे। ऐसे अतिक्रमण के कारण मार्ग अवरुद्ध हो रहा था, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने सड़क पर रखे सामान को हटवाया तथा संबंधित लोगों को सख्त हिदायत दी गई कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर जुर्माना एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निगम अधिकारियों ने बताया कि पावर हाउस चौक शहर का अत्यंत व्यस्त मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। सड़कों पर फलों का ठेका, अवैध पार्किंग और फुटकर दुकानों के कारण यहां प्रायः रोज शाम को जाम लगता है। ऐसे में सड़क पर अतिक्रमण से आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

नगर निगम ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और सड़क पर अतिक्रमण न करें, ताकि शहर को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

रोका-छेका : सड़कों पर आवारा घूम रहे पशुओं की धरपकड़

नगर निगम के रोका-छेका विभाग द्वारा शहर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत टीम द्वारा सड़कों पर घूम रहे एवं बीच सड़क पर बैठे पशुओं को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है।

पकड़े गए पशुओं को कोसानाला स्थित गौठान में रखा जा रहा है, जहां उनके लिए हरे चारे, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निगम द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पशुओं के रखरखाव में किसी प्रकार की कमी न हो। ज्ञात हो कि सड़कों के बीच पशुओं के बैठने या घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निगम का यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू पशुओं को खुला न छोड़ें तथा शहर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें।

भिलाई नगर निगम ने चलाया जल शुद्धिकरण अभियान, कुओं में छिड़काव

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड स्थित फौजी नगर क्षेत्र में जल शुद्धिकरण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गणेश मंच एवं शीतला मंदिर मोहल्ले के कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालकर पानी को शुद्ध किया जा रहा है।

विभागीय टीम द्वारा क्षेत्र के लगभग 125 घरों का सर्वेक्षण किया गयाए जिसमें 35 घरों में कुएं पाए गए। इन सभी कुओं में ब्लीचिंग पाउडर डालकर जल शुद्धिकरण का कार्य कराया गया। साथ ही नागरिकों को जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक समझाइश भी दी गई।

जन स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि कुएं के पानी का उपयोग केवल निस्तारी कार्यों में करें तथा पीने के लिए नल के पानी को छानकर और उबालकर ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा सड़े-गले फल एवं दूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की हिदायत दी गई है। लोगों को लू से बचाव के उपाय अपनाने की भी सलाह दी गई है।

पतंजलि बाल योग गुरुकुल में लगा ग्रीष्मकालीन शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग की ओर से बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 का आयोजन 3 मई से 27 मई तक पतंजलि गौशाला परिसर, कोहका, भिलाई में किया जा रहा है।

ग्रीष्म अवकाश को बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सार्थक बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में कक्षा छठवीं से 12वीं तक के बालक-बालिकाओं को योग, भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक इस शिविर में बच्चों के लिए योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान, गीता एवं रामायण के श्लोक, चौपाइयों का अध्ययन और जीवन में प्रयोग,जीवन कौशल (अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व

क्षमता), संस्कार आधारित खेल एवं योग प्रतियोगिताएं, चित्रकला, भजन, नाटक, वक्तृत्व एवं रचनात्मक गतिविधियाँ, सेवा कार्य, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां होंगी।

इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह विशेष थीम के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जाएगा। जिले के सभी जोनों का सक्रिय सहयोग रहेगा।

इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने हेतु पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग के चारों जोनों के पदाधिकारी एवं योग शिक्षक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

30 अप्रैल के बाद संपत्ति कर पटाने पर देना होगा 17 प्रतिशत सरचार्ज, निगम ने दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 30 अप्रैल तक कर जमा करने वाले करदाताओं से किसी भी प्रकार की पेनाल्टी नहीं ली जाएगी।

वहीं 1 मई के बाद पूर्व वर्षों का संपत्तिकर जमा करने पर 17 प्रतिशत तक सरचार्ज वसूला जाएगा। वर्तमान में करदाताओं के पास पेनाल्टी से बचने के लिए मात्र 9 दिन शेष हैं।

निगम प्रशासन ने समस्त

करदाताओं से अपील की है कि वे समय रहते अपना बकाया कर जमा कर शासकीय छूट का लाभ उठाएं और अतिरिक्त शुल्क से बचें। राजस्व विभाग को निर्देशित किया गया है कि शनिवार एवं रविवार को भी टैक्स काउंटर खुले रखे जाएं, ताकि अधिक से अधिक करदाताओं को सुविधा मिल सके।

इसके साथ ही बकायादारों से वसूली के लिए घर-घर अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं तथा नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से कर भुगतान के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। आयुक्त ने राजस्व अमले को निर्देश दिए हैं कि शेष बचे दिनों में पूरी सक्रियता और गंभीरता के साथ वसूली कार्य किया जाए।

साथ ही आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अवैध नल कनेक्शनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बिना अनुमति लगाए गए नल कनेक्शनों को काटा जाएगा तथा संबंधित ठेकेदार के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बीएसपी एचआरसी में वीआईपी लाउंज का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर-एल एंड डी) केंद्र में 22 अप्रैल 2026 को संस्थागत अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा पेशेवर सहभागिता के वातावरण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में नव विकसित वीआईपी लाउंज का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर-एलएंडडी) संजीव श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक यशवंत सिंह जोहरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। नव स्थापित वीआईपी लाउंज को वरिष्ठ प्रबंधन के साथ संवाद, उच्च स्तरीय बैठकों एवं आगंतुक विशिष्ट अतिथियों के स्वागत हेतु एक सुसज्जित एवं आरामदायक तौर पर विकसित किया गया है। यह सुविधा संगठन में पेशेवर संवाद एवं सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने प्रभावी संवाद एवं हितधारकों के साथ सार्थक सहभागिता के लिए समर्पित स्थानों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अवसंरचना संगठन के ज्ञानार्जन एवं विकास तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही, उन्होंने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास टीम के प्रयासों की सराहना की।

यह वीआईपी लाउंज मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ रणनीतिक विचार-विमर्श, विशेषज्ञ संवाद तथा आगंतुक प्रतिनिधियों के साथ प्रभावी सहभागिता के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा। अतिथियों द्वारा नव विकसित लाउंज का अवलोकन किया गया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद भी किया गया।

कमिश्नर ने खुद किया स्व-गणना, नागरिकों को दिया भागीदारी का संदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम।भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम दुर्ग के कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने आज अपने चेंबर में मोबाइल के माध्यम से अपने परिवार की स्व-गणना कर नागरिकों को इस अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कमिश्नर ने बताया कि स्व-गणना की यह डिजिटल व्यवस्था नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से नागरिक 16 से 30 अप्रैल तक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सरल, तेज और पारदर्शी बनती है।

उन्होंने जानकारी दी कि पोर्टल पर पूछे गए सभी प्रश्न सरल और सहज भाषा में हैं, जिन्हें मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप के जरिए आसानी से भरा जा सकता है। प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नागरिकों को स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी, जो आगे के सत्यापन में सहायक होगी।

यूआरएम विभाग में 'सुरक्षा बंधन' पहल का शुभारंभ, ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा संस्कृति विकसित करने की पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) विभाग द्वारा 22 अप्रैल 2026 को ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए सुरक्षा बंधन नामक विशेष सुरक्षा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विभागाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम) योगेश शास्त्री द्वारा किया गया।

यह पहल जमीनी स्तर पर कार्यरत श्रमिकों को विभागाध्यक्ष के साथ प्रत्यक्ष संवाद का सशक्त मंच प्रदान करती है, जिसके माध्यम से वे कार्यस्थल की वास्तविक परिस्थितियों, व्यावहारिक चुनौतियों तथा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर अपने अनुभव एवं सुझाव साझा कर सकते हैं। इस संवादात्मक पहल का उद्देश्य कार्यस्थल को और अधिक सुरक्षित बनाना तथा असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान कर उनके निराकरण हेतु सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर सीजीएम (यूआरएम) योगेश शास्त्री ने श्रमिकों के साथ सीधा संवाद करते हुए उनके सुझावों को गंभीरता से सुना एवं सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मी के लिए स्वयं की सुरक्षा सर्वोपरि जिम्मेदारी है, जिसके साथ-साथ सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान कर निरंतर सुधार की दिशा में कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। यह परिवार के प्रति जिम्मेदारी एवं अपनत्व का भाव व्यक्ति को सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने श्रमिकों से अनुशासित एवं सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया।

कन्या महाविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे आज विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह, जागरूकता और सहभागिता के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से भूगोल, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणि शास्त्र विभाग द्वारा किया गया।

इस वर्ष की थीम यह संदेश देती है कि पृथ्वी की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूण है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ जैसे- पर्यावरण जागरूकता रैली, एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि पृथ्वी हमारे जीवन का आधार है और इसके बिना हमारा अस्तित्व संभव नहीं है। आज जिस प्रकार पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हो रहा है, वह हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय है। यदि हम सभी मिलकर प्रयास करें, तो हम पृथ्वी को सुरक्षित और संरक्षित रख सकते हैं। हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे, जैसे जलसंरक्षण, ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग और अधिक से अधिक वृक्षारोपण। यही प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने आगे विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करें।

भूगोल विभाग ने पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों, जलवायु परिवर्तन एवं सतत् विकास के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। वनस्पति शास्त्र विभाग ने पौधों के महत्व, जैव विविधता एवं वृक्षारोपण के लाभों पर प्रकाश डाला। प्राणिशास्त्र विभाग ने जीव-जंतुओं के संरक्षण, पारिस्थितिकी संतुलन एवं वन्यजीव सुरक्षा के महत्वको समझाया।

अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों ने और विद्यार्थियों ने पृथ्वी की रक्षा करने एवं पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाने में भी सफल रहा।

वृद्धाश्रम की महिला का सेक्टर-9 हॉस्पिटल में हुई मोतियाबिंद सर्जरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है, इस भाव को चरितार्थ करते हुए आस्था वृद्ध आश्रम, सेक्टर-2, भिलाई नगर, जिला दुर्ग ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। आश्रम में निवासरत 82 वर्षीय निराश्रित वृद्धा श्रीमती चंद्राबाई का सेक्टर-9 बीएसपी हॉस्पिटल में मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ। चंद्राबाई जी का कोई रिश्तेदार नहीं है।

उनकी आंखों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए आश्रम के संचालक प्रकाश गेदाम ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराकर उनका ऑपरेशन करवाया।

अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार ऑपरेशन पूर्णतः सफल रहा और माताजी अब पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। उनकी देखभाल आश्रम

द्वारा की जा रही है।

प्रकाश गेदाम ने कहा, आश्रम में रहने वाले हर बुजुर्ग हमारे परिवार का हिस्सा हैं। चंद्राबाई माताजी को नई रोशनी मिलना हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है। हमारा प्रयास रहता है कि कोई भी बुजुर्ग इलाज के अभाव में तकलीफ न पाए।

आस्था वृद्ध आश्रम लगातार निराश्रित एवं असहाय बुजुर्गों की सेवा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास के लिए कार्यरत है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

महतारी वंदन योजना के एक लाख 20 हजार से अधिक हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण

महासमुंद। राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य किया गया है। महतारी वंदन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने जिले में 367 सीएससी सेंटरों को आईडी जारी किया गया है। विभिन्न चॉइस सेंटरों के माध्यम से ई-केवाईसी का कार्य जारी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टिक्केन्द्र जटवार ने बताया कि 1 अप्रैल से आयोजित शिविर के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं का ई-केवाईसी किया जा रहा है। जिले में 3 लाख 3 हजार 808 हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया जाना है। जिसमें अब तक एक लाख 20 हजार 827 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण कर लिया गया है। शेष एक लाख 82 हजार 981 हितग्राहियों का ई-केवाईसी प्रक्रिया 30 जन पूर्ण किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी जटवार ने हितग्राहियों से अपील की है कि शिविर में पहुंचकर अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराएं। जिससे योजना का लाभ निरंतर और बिना किसी बाधा के मिलती रहे। ई-केवाईसी हेतु अपने साथ आधार कार्ड व योजना में रजिस्टर्ड किए गए मोबाईल नंबर को साथ रखें।

डेयरी योजना से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

रायपुर। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की डेयरी समग्र योजना जशपुर जिले में ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के अंतर्गत जिले के 24 गांवों की 447 महिला डेयरी उत्पादक लाभान्वित हो रही हैं, जो पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में अपना रही हैं। योजना के तहत पशु नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन वृद्धि के उद्देश्य से 27 आदिवासी महिला हितग्राहियों को उन्नत साहिवाल नस्ल की दुधारू गायें वितरित की गई हैं। साहिवाल नस्ल अपनी उच्च दुग्ध क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए जानी जाती है। वर्तमान में 114 आदिवासी महिलाएं पंजीकृत होकर संगठित रूप से कार्य कर रही हैं, जबकि 197 सक्रिय सदस्य प्रतिदिन दूध संकलन में योगदान दे रही हैं। इससे जिले में प्रतिदिन औसतन 1,075 लीटर दूध का संकलन हो रहा है। पारदर्शी भुगतान व्यवस्था के तहत 5 जून से 31 मार्च 2026 तक 374 महिला हितग्राहियों के बैंक खातों में 80 लाख 54 हजार 467 रुपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। यह योजना न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। प्रशासन और एनडीडीबी का लक्ष्य अधिक से अधिक गांवों की महिलाओं को इस पहल से जोड़ते हुए जशपुर को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है।

युवा उत्थान योजनान्तर्गत परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण हेतु 08 मई तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। कार्यालय अपर संचालक परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र जगदलपुर द्वारा युवा उत्थान योजनांतर्गत छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग युवाओं से बैंकिंग, रेलवे, एसएससी एवं व्यापम की भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 08 मई 2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। ऐसे अभ्यर्थियों के पास इस दिशा में उक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होने के साथ ही अभ्यर्थियों के माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।चयनित अभ्यर्थियों को परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र धरमपुरा जगदलपुर में आवास की सुविधा सहित लाइब्रेरी, समाचार पत्र और समसामयिक पत्र-पत्रिकाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को एक हजार रुपए प्रति माह शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी। शासकीय सेवा में कार्यरत अभ्यर्थी इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र के अपर संचालक ने बताया कि संस्था में कुल 100 सीटें हैं, जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 50, अनुसूचित जाति हेतु 30 और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 20 स्थान सम्मिलित है। इन निर्धारित सीटों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। अवधि 06 महीने है।नियत तिथि तक प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर अभ्यर्थियों को 10 मई को आयोजित प्राक्र्यन परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा।

हरा सोना संग्राहकों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में जुड़े 13 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार, लगभग 920 करोड़ रुपए का होगा संभावित भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ और अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है, जो आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका का मुख्य साधन है। हाल के नीतिगत बदलावों और सरकारी पहलों के कारण इन संग्राहकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा लघु वनोपज संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 से प्रति मानक बोरा की दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए कर दी गई है, जिसका सीधा लाभ लाखों ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। वर्ष 2026 में राज्य के 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत 902 प्राथमिक समितियों में तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य प्रस्तावित है। इस वर्ष लगभग 15 लाख से अधिक मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमान है। एक मानक बोरे में 1000 गड्डियां होती हैं और प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते शामिल रहते हैं।

बस्तर संभाग के 10 जिला यूनियनों की 216 समितियों में करीब 4 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अन्य 21 यूनियनों की 868 समितियों में लगभग 11 लाख मानक बोरा संग्रहण होने की संभावना है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के 3.90 लाख परिवारों की तुलना में इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 4.04 लाख हो गई है। इस साल अब तक 14 हजार 57 नए परिवार इस कार्य से जुड़े हैं।

नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में पहली बार 10 नए फड़ों की स्थापना की गई है, जहां 2100 से अधिक मानक बोरा संग्रहण का अनुमान है। इसके अलावा सुकमा और केशकाल क्षेत्रों में भी नए फड़ जोड़े गए हैं। पिछले वर्ष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बाधाओं के कारण 351 फड़ों में संग्रहण नहीं हो सका था, लेकिन इस वर्ष सभी फड़ों में कार्य शुरू करने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

संग्रहण कार्य को सुचारू बनाने के लिए संग्राहक कार्ड, बोरा, सुतली, गोदाम और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही तेन्दूपत्ता के भंडारण का बीमा भी कराया जा रहा है। संग्राहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए भेजी जाएगी।

वनाधिकार पट्टा और पीएम आवास से मुरिया परिवार को मिला नया जीवन, बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुरिया परिवार की बदली जिंदगीछत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में वनाधिकार पट्टा और प्रधानमंत्री आवास योजना ने एक मुरिया आदिवासी परिवार के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। ग्राम बेदरे के निवासी बोगाम भीमा के परिवार को शासन की इन दोहरी कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन मिला है।

छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का असर अब दूरस्थ और पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी साफदिखाई दे रहा है। सुकमा जिले के ग्राम पंचायत सिलगेर के आश्रित गांव बेदरे में रहने वाले मुरिया जनजाति के बोगाम भीमा का परिवार इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण है। पहले जिन परिस्थितियों में यह परिवार जीवन जी रहा था, वहां न तो स्थायी जमीन का अधिकार था और न ही सुरक्षित घर। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य सरकार द्वारा बोगाम भीमा को 1.315 हेक्टेयर वनभूमि का वनाधिकार पट्टा मिला है। जिस जमीन पर वे वर्षों से खेती कर रहे थे, अब वह कानूनी रूप से उनकी हो गई है। इससे उनके जीवन में स्थिरता आई है और वे अब निश्चिंत होकर धान की खेती कर पा रहे हैं। यह पट्टा उनके लिए सिर्फ जमीन नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार का प्रतीक बन गया है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनकी पत्नी के नाम पक्का मकान स्वीकृत हुआ।

पहले जहां परिवार कच्चे घर में मौसम की मार झेलता था, अब वे सुरक्षित और मजबूत घर में रह रहे हैं। इससे उनके जीवन में सुरक्षा और आत्मसम्मान दोनों बढ़े हैं। बोगाम भीमा के परिवार को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रूपए की आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। गांव में बिजली पहुंचने से अब उनके घर में रोशनी है और बच्चों की पढ़ाई भी बेहतर हो गई है। उनका बेटा शासकीय आश्रम छात्रावास में कक्षा 7वीं में पढ़ाई कर रहा है, जहां उसे रहने, खाने और पढ़ाई की पूरी सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में सरकार की योजनाएं वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। बोगाम भीमा ने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके परिवार को सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की नई उम्मीद मिली है। यह सफलता की कहानी बताती है कि सही योजनाएं और सही क्रियान्वयन मिलकर किसी भी जीवन को बदल सकते हैं।

पोलमपल्ली से अरलमपल्ली सड़क बनने से खुश है ग्रामीण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुकमा जिले के दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज हुई है। रोड कनेक्टिविटी के विस्तार ने यहां के ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना शुरू कर दिया है। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में वनांचल और नियद नेल्लानार क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। लोक निर्माण विभाग द्वारा पोलमपल्ली से अरलमपल्ली तक 7 किलोमीटर लंबी डामरीकृत सड़क का निर्माण 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कराया जा रहा है। यह सड़क निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है, जिसके बन जाने से विकासखंड मुख्यालय कोंटा की दूरी लगभग 15 किलोमीटर कम हो जाएगी।

यह मार्ग डब्बाकोंटा, कोलाईगुड़ा, एंटापाड़, बुर्कलंका, पालाचलमा और गट्टापाड़ जैसे पूर्व में नक्सल प्रभावित गांवों को जोड़ता है।

बस्तर के छात्र-छात्राओं ने सीखीं भविष्य की तकनीकें

विवेकानंद स्कूल में दिया गया तीन दिवसीय एआई और रोबोटिक्स प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर के युवाओं को आधुनिक युग की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। धरमपुरा स्थित विवेकानंद स्कूल में 20 से 22 अप्रैल 2026 तक छात्रों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों पर आधारित एक विशेष तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रथम बैच के 25 विद्यार्थियों को 21 वीं सदी के अनिवार्य कौशल जैसे समस्या समाधान, रचनात्मकता और तकनीकी सूझबूझ से लैस करना था।

द पाई जैम फाउंडेशन द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी में पीपीआईए फेलो की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही, जिन्होंने पूरी योजना को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को एक अनूठा और समग्र शिक्षण अनुभव प्राप्त हुआ, जहाँ उन्होंने डिजाइन थिंकिंग के माध्यम से वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं की पहचान करना और उनके व्यावहारिक समाधान खोजना सीखा। सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़ते हुए छात्रों ने एआई की मूल अवधारणाओं, कंप्यूटर विजन और डेटा प्रेडिक्शन जैसे आधुनिक विषयों के साथ-साथ तकनीक के नैतिक उपयोग की बारीकियों को भी समझा।

इस कार्यशाला की एक बड़ी विशेषता इसका व्यावहारिक पक्ष रहा, जिसमें छात्र-छात्राओं ने आर्डुइनो और बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से स्वयं छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम किया। हार्डवेयर के बुनियादी घटकों के साथ प्रयोग करते हुए छात्रों ने यह अनुभव किया कि कैसे तकनीक का सही उपयोग दैनिक जीवन की बाधाओं को दूर करने में किया जा सकता है। इसके साथ ही कोडमित्रा (अमेजन करियर टूर) के माध्यम से उन्हें भविष्य के करियर अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे उनके भीतर नई संभावनाओं के प्रति एक विजन विकसित हुआ। पूरी तरह से इंटरैक्टिव और गतिविधि-आधारित होने के कारण इस प्रशिक्षण ने छात्र-छात्राओं के भीतर गहरी जिज्ञासा और उत्साह का संचार किया।

नई तकनीकों को आत्मसात करने की इस प्रक्रिया में छात्र-छात्राओं ने न केवल सक्रिय भागीदारी निभाई, बल्कि अपनी आलोचनात्मक सोच का भी परिचय दिया। बस्तर में की गई यह अभिनव पहल यहाँ के विद्यार्थियों को डिजिटल युग की बदलती जरूरतों के अनुरूप ढालने और उन्हें नवाचार के क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक दूरगामी कदम साबित होगी।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमड़ीबोड़ के योगाभ्यास में लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए संचालित विशेष योग अभियान के अंतर्गत कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज प्रात: डोंगरगांव विकासखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमड़ीबोड़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ योगाभ्यास सत्र में शामिल हुए। उन्होंने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा उपस्थित ग्रामीणों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने लू से बचाव, पर्याप्त पानी सेवन, हल्का एवं पौष्टिक आहार लेने के साथ-साथ नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दिनचर्या में कम से कम एक घंटा स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए अवश्य निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है और इसे अपनाकर कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने और स्वस्थ रहने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कलेक्टर ने ग्रामीणों से चर्चा कर विकास कार्यों एवं मूलभूत आवश्यताओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों के शिकायत पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमड़ीबोड़ स्टाफ की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्टाफको नियमित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 15 दिवस के भीतर स्वास्थ्य केन्द्र की सभी व्यवस्थाएं सुधार करने के लिए निर्देशित किया।

योग प्रशिक्षक द्वारा विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान का उद्देश्य 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को गैर-संचारी रोगों जैसे मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप से बचाव एवं नियंत्रण के प्रति जागरूक करना है।

प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा मंडूकासन, वृक्षासन, भुजंगासन सहित विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कराए जा रहे हैं। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बीपी एवं शुगर की नियमित जांच कर आयुष चिकित्सकों द्वारा संतुलित आहार एवं जीवनशैली सुधार के संबंध में आवश्यक परामर्श भी दिया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, अस्पताल सलाहकार विकास राठौर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

ज्ञानभारतम् सर्वे को मिली रफ्तार : 31 मई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि शासकीय संस्थानों, मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों एवं निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए सक्रिय प्रयास करें । उन्होंने कहा कि परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पांडुलिपियां और ज्ञान-संपदा मिल सकती है, इसलिए इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जनभागीदारी बढ़ाने के लिए पांडुलिपि ट्रेजर हंट जैसे नवाचारों के आयोजन का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ सकें।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वेक्षण अभियान समिति के सदस्य तथा सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि यह सर्वे केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि जिलों में उपलब्ध पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए है। साथ ही प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति का गठन, नोडल अधिकारी की नियुक्ति तथा सर्वेक्षण दलों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ने पर बल दिया गया। यह अभियान पूरे देश के लिए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और उसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का सम्मान, बिना अनुमति स्थानांतरण न करने और सभी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

बैठक में पर्यटन एवं संस्कृति एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ज्ञानभारतम् पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के तहत रूपरेखा, उद्देश्य और महत्व की जानकारी दी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि शोधकर्ताओं के सहयोग से सुदूर अंचलों से भी पांडुलिपियों की महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की जा सकती है, जिससे इस अभियान को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी, संचालक संस्कृति श्री विवेक आचार्य सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

‘पैनिक अटैक आते थे’, सान्या मल्होत्रा ने करियर के शुरुआती दिनों को किया याद

सान्या मल्होत्रा हाल ही में फिल्म ‘टोस्टर’ में नजर आई हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हाल ही में सान्या ने इंडस्ट्री में अपने दस साल भी पूरे किए हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने अब ना कहना भी सीख लिया है।

समय के साथ सीखा ना कहना

सान्या मल्होत्रा ने समय के साथ खुद में आए बदलाव और इम्प्रूवमेंट को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि समय के साथ मैंने ना कहना सीख लिया। अब तो मैं आसानी से ना कह देती हूं। लेकिन इसमें मुझे थोड़ा समय लगा। ना बोलने से पहले मुझे पैनिक अटैक आ जाता था। मैं सोचती थी कि ना कैसे कहूं?

मुझे डर लगता था कि अगर मैंने ना कह दिया तो शायद मुझे आगे काम न मिले। अगर किसी तरह कह भी दिया तो महीनों तक मुझे इस बात का पछतावा होता रहता था। मुझे न सिर्फ और मौके नहीं मिलते थे, बल्कि मुझे ये डर लगता था कि कहीं उन्हें बुरा न लग जाए।

अपनी बात कहने का होता है तरीका

सान्या ने कहा कि अब मैंन दृढ़ रहने का भी निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि आपको यह समझना होगा कि फिल्म निर्देशक का माध्यम है। लेकिन आप एक अभिनेता के रूप में निश्चित रूप से अपने सुझाव दे सकते हैं। कभी-कभी वे आपकी बात सुनते हैं और कभी-कभी नहीं।

लेकिन मैंने यह बात बहुत मुश्किल से सीखी है कि अगर मैं ना नहीं कहूंगी, तो इसका मतलब होगा कि मैं सिर्फ उनके सपने जी रही हूं और उनके तरीके से काम कर रही हूं, न कि अपनी जिंदगी जी रही हूं।

मेरा मानना है कि अपनी बात कहने का एक तरीका होता है। अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं, तो कोई समस्या नहीं है। अगर बात किसी स्टंट की है, तो आपको वाकई में कड़ा रुख अपनाना होगा। आप इन चीजों को हल्के में नहीं ले सकते।

‘टोस्टर’ में नजर आई हैं सान्या मल्होत्रा

वर्कफ्रंट की बात करें तो सान्या हाल ही में फिल्म ‘टोस्टर’ में नजर आई हैं। विवेक दासचौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजकुमार राव, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, उपेंद्र लिमये, विनोद रावत, जितेंद्र जोशी और सीमा पाहवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रही है।

रवि बाबू की हिंसक थ्रिलर फिल्म रेजऱ की रिलीज़ डेट से उठा पर्दा

निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बताई तारीख

तेलुगु सिनेमा के सबसे निडर और अप्रत्याशित कहानीकार, रवि बाबू, रेजऱ के साथ वापसी कर रहे हैं। यह एक ज़्यादा डार्क और हिंसक थ्रिलर है, जो उनकी पिछली फिल्म एनुगुथोंडम घटिकाचलम से काफी अलग है। सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले सुरेश बाबू द्वारा प्रस्तुत और फ़्लाइंग फ़्रॉग्स द्वारा निर्मित, रेजऱ की दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ की तारीख़ 8 मई, 2026, आधिकारिक तौर पर तय हो गई है।

यह तारीख रवि बाबू के पिता, स्वर्गीय चलपति राव की जयंती के साथ भी मेल खाती है, जिससे फिल्म के आने में एक भावनात्मक पहलू भी जुड़ जाता है। निर्देशक और मुख्य अभिनेता, दोनों की दोहरी भूमिका निभाते हुए, रवि बाबू इस मनोवैज्ञानिक एक्शन ड्रामा में एक कच्चा और बेचैन कर देने वाला अंदाज़ लेकर आए हैं। रेजऱ के टाइटल की घोषणा के बाद से ही इसके बारे में चर्चा लगातार बढ़ती जा रही है।

रिलीज़ की तारीख की हालिया झलक और नए पोस्टरों ने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है, इनमें रवि बाबू को शहरी माहौल की कठोरता और औद्योगिक परछाइयों के बीच एक रोंगटे खड़े कर देने वाले अवतार में दिखाया गया है। एक बेहद आकर्षक पोस्टर में उन्हें एक छोटी लड़की के साथ एक अराजक सड़क पर चलते हुए दिखाया गया है, जो फिल्म की क्रूरता और तनाव के पीछे छिपे एक भावनात्मक पहलू की ओर इशारा करता है। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 में पूरी हो गई थी, और अब डबिंग तथा पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी पूरा हो चुका है; इन सब बातों को देखते हुए रेजऱ इस साल तेलुगू सिनेमा की गर्मियों में रिलीज़ होने वाली सबसे साहसी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। रवि बाबू द्वारा लिखित और निर्देशित, रेजऱ तनाव, मनोवैज्ञानिक उथल-पुथल और एक खास शैली की हिंसा से भरी एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जो निर्देशक की अपनी खास शैली वाली अप्रत्याशितता को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा देती है। फिल्म का अंतिम काम (फिनिशिंग वर्क) अभी चल रहा है, और सुरेश प्रोडक्शंस तथा फ्लाइंग फ्रॉग्स के सहयोग से बनी रेजऱ 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

‘मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी’

करिश्मा कपूर ने बताया अब क्यों करतीं हैं कम काम? ओटीटी पर कही ये बात

करिश्मा कपूर ने अपने करियर और इंडस्ट्री को लेकर बात की। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया अब क्यों नहीं करतीं ज्यादा काम और कैसे करती हैं प्रोजेक्ट्स का चयन....

अभिनेत्री करिश्मा कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उनका कहना है कि वो अब समय को ज्यादा महत्व देती हैं और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स पर ही काम करना चाहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर और काम के प्रति अपने जुनून को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि अब वो किस तरह के प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने समय के दौर को भी याद किया।

अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं

बातचीत के दौरान करिश्मा कपूर ने दशकों से इंडस्ट्री को करीब से देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज काम जुनून और उद्देश्य से जुड़ा है। मैं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हूं और मुझे कमर्शियल ब्लॉकबस्टर से लेकर एक्सपेरिमेंटल फिल्मों तक, हर तरह की भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। अब हर जगह मौजूद रहने के बजाय मैं उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरे दिल को छूते हैं।

अभिनेत्री स्वीकार करती हैं कि अब समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले लगातार काम करने और एक सेट से दूसरे सेट पर जाने की वजह से काफी भागदौड़ रहती थी। अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं।

मैं सोच-समझकर प्रोजेक्ट चुनती हूं क्योंकि मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट के लिए समय निकालना सार्थक हो और साथ ही परिवार को भी पर्याप्त समय मिल सके। स्क्रिप्ट तो जंरूरी है ही, लेकिन साथ ही लोग और कहानी के पीछे का मकसद भी मायने रखता है।

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बड़े पर्दे का अपना ही जादू है, यहीं से मैंने शुरुआत की थी और यह हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। लेकिन मुझे यह भी पसंद है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कहानी कहने का तरीका कैसे विकसित हुआ है।

वेब मुश्किल कहानियों और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए मौका देता है। मेरे जैसी किसी के लिए जो आगे क्या करना है, इस बारे में सोच-समझकर फैसला लेती है यह एक बेहतरीन क्षेत्र है। हालांकि, मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी।

2024 में आखिरी बार मर्डर-मिस्ट्री में नजर आई थीं करिश्मा

वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा कपूर आखिरी बार साल 2024 में आई मर्डर-मिस्ट्री फिल्म ‘मर्डर मुबारक’ में नजर आई थीं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली थीं। उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

शरवरी ने ‘ये प्रेम मोल लिया’ को बताया ‘खास’

लिखा- ‘मेरा सबसे बड़ा सपना है....

अपनी आगामी फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ की थिएट्रिकल रिलीज डेट की घोषणा के बाद, शरवरी वाघ ने एक खास नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर अपने अनुभव को दर्शाया है।

2022 की फिल्म ‘ऊंचाई’ के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है ‘ये प्रेम मोल लिया’। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं और उन्होंने फिल्म के निर्देशक सूरज बड़जात्या के लिए कुछ खास लिखा है।

कैसी होगी फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’

मेकर्स ने 21 अप्रैल को फिल्म का नाम ‘ये प्रेम मोल लिया’ और रिलीज डेट बताई है। फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार ‘प्रेम’ को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है।

शरवरी का खास पोस्ट

शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, ‘27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।’

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म ‘प्रेम रतन धन पायो’ में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

क्या शाम होते ही ऊर्जा का स्तर हो जाता है कम? ये हो सकते हैं कारण

आपका दिन किस तरह से बीतता है, यह आपके ऊर्जा के स्तर पर निर्भर करता है। अगर आप शाम होते ही सुस्त और थकान महसूस करने लगते हैं तो इसका मतलब है कि आपकी दिनचर्या में कुछ ऐसी आदतें शामिल हैं, जो आपके शरीर और मन को कमजोर कर रही हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताते हैं, जो शाम होते ही आपके शरीर और मन को सुस्त कर सकती हैं।

दोपहर का खाना ठीक से न खाना

दोपहर का खाना न खाना या इसे छोड़ देना आपकी ऊर्जा को कम कर सकता है। अगर आप दोपहर का खाना नहीं खाते हैं तो शाम को आपको अधिक भूख लगेगी और आप जो भी खाएंगे, उससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। वहीं दोपहर का खाना खाने से आपको पूरे दिन ऊर्जा मिलती है और आप अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए, दिनभर में एक बार जरूर भरपेट खाना खाएं।

अधिक चाय या कॉफी पीना

कई लोग दिनभर में कई बार चाय या कॉफी पीते हैं। ये पेय आपको थोड़े समय के लिए ऊर्जा दे सकते हैं, लेकिन इनका अधिक सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। चाय या कॉफी का अधिक सेवन करने से नींद में खलल पड़ सकता है और रात को नींद आने में परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त इनका अधिक सेवन शरीर के डिहाइड्रेट होने का कारण भी बन सकता है।

देर से सोने की आदत

देर से सोने की आदत भी आपके ऊर्जा स्तर को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना देर से सोते हैं तो आपका शरीर ठीक से आराम नहीं कर पाता और अगले दिन आपको थकान महसूस होती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप हर दिन एक ही समय पर सोएं और 7 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि आपका शरीर ठीक से आराम कर सके और आप अगले दिन तरोताजा महसूस करें।

अधिक चिंता करना

चिंता भी आपके ऊर्जा स्तर को कम करने का एक बड़ा कारण हो सकता है। अगर आप रोजाना किसी न किसी बात को लेकर चिंता में रहते हैं तो इसका असर आपके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है और आप शाम होते ही सुस्त महसूस करने लग सकते हैं। इसलिए, चिंता को कम करने के लिए रोजाना कुछ मिनट ध्यान या योग करें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हों।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

शारीरिक गतिविधियों की कमी भी आपके ऊर्जा स्तर को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना थोड़ी बहुत व्यायाम नहीं करते हैं तो आपका शरीर सुस्त हो सकता है और आपको शाम होते ही थकान महसूस होने लग सकती है। इसलिए, रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करें, जैसे कि दौडऩा, साइकिल चलाना या तैराकी आदि। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहेंगे।

खास खबर

युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

जशपुरनगर। जिले में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक सुनहरा अवसर है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर द्वारा 28 अप्रैल 2026 मंगलवार को रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में तीन कंपनियों द्वारा कुल 360 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक सुबह 11:00 बजे से अपने मूल दस्तावेजों के साथ रोजगार कार्यालय, जशपुर में उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदकों को अपने साथ समस्त मूल प्रमाण पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर में उपस्थित होना है। रोजगार मेले में आर.जे. ग्रुप मेन पॉवर जशपुर नगर अंतर्गत 50 पदों में भर्ती होनी है, जिनमें सिक्योरिटी गार्ड हेतु 20 पद योग्यता 10 वीं व 12 वी, फाइनेंस ऑफिसर के 10 पद योग्यता 10 वीं व 12 वी, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 10 पद योग्यता 12 वीं के साथ डीसीए, रिसेपनिस्ट के 5 पद योग्यता 12 वीं के साथ डीसीए और स्टाफनर्स के 5 पदों के लिए योग्यता नर्सिंग होना आवश्यक हैं। **Parishram Human Resource** में मीटर इंस्टालेशन के लिए 300 पदों में भर्ती होनी है, इसके लिए योग्यता आईटीआई और नॉन आईटीआई मांगी गई है।

बालिकाओं के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान शुरू

रायपुर। जिले में किशोरी बालिकाओं के लिए निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों- अभनपुर, गोबरा नवापारा, आरंग, मंदिर हसौद, धरसींवा, तिल्दा, खरोरा सहित मातृ एवं शिशु अस्पताल कालीबाड़ी, डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल तथा एम्स में 17 मार्च 2026 से नियमित रूप से (अवकाश दिवस को छोड़कर) लगाया जा रहा है। यह टीकाकरण विशेष रूप से उन किशोरियों के लिए है, जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, लेकिन 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं हुई है। टीकाकरण के लिए आधार कार्ड या जन्मतिथि अंकित अन्य फोटो पहचान पत्र मान्य होगा। टीकाकरण उपरांत लाभार्थियों का पंजीयन पोर्टल पर किया जाएगा तथा उन्हें डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी पात्र पुत्रियों का ।क्क्ष् टीकाकरण वश्य कराएं, जिससे उन्हें गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम को सुदृढ़ करना है।

रायपुर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और विकास कार्यों को गति देने सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ली उच्च स्तरीय बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने आज रायपुर शहर की जटिल यातायात समस्याओं के निराकरण और विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में सरोना-टाटीबंध से जोरा तक रिंग रोड के सर्विस रोड, शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण, जोरा-कचना -पिरदा रोड, जोरा-कचना- मोवा रोड, शदाणी दरबार देवपुरी सहित 5 ग्रेट सेपरेटर, शंकर नगर में रोड चौड़ीकरण, शंकर नगर चौक से टर्निंग पॉइंट सड़क चौड़ीकरण सहित रायपुर शहर के विभिन्न यातायात समस्याओं सहित विकास कार्यों की समीक्षा की।

श्री अग्रवाल ने टाटीबंध-सरोना से जोरा तक रिंग रोड की सर्विस लाइन के चौड़ीकरण का कार्य एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएआई को एक सप्ताह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने तथा CSEB को चार चरणों में बिजली खंभों और ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग तत्काल शुरू करने को कहा। साथ ही, नगर निगम और यातायात पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सर्विस रोड पर हुए अवैध कब्जों और अनियंत्रित पार्किंग को तत्काल हटाया जाए।

मीटिंग में सीएसपीडीसीएल अधिकारियों को भी निर्देश दिया गया कि जोरा से लेकर भाठागांव चौक तक विद्युत खंभे व ट्रांसफार्मर को तत्काल हटाना प्रारंभ करें एवं भाठागांव से सरोना तक पूर्व में बनाए गए एस्टीमेट को संशोधित कर तत्काल विभाग में एस्टीमेट प्रस्तुत करें। केंद्र से कार्य के लिए सांसद के प्रयासों से 100 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं।

अग्रवाल ने दशकों पुरानी तात्यापारा सड़क चौड़ीकरण की समस्या पर चर्चा करते हुए सांसद ने बैठक में निगम आयुक्त एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बैठक में दिए गए निर्देश और लिए गए निर्णय के अनुसार सड़क चौड़ीकरण के लिए मुआवजा एवं अन्य प्रकरणों को तत्काल एक रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को प्रेषित करें। पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा कलेक्टर की अध्यक्षता में इस विषय पर कार्रवाई के लिए कलेक्टर अधिकृत किया था।

एक्सप्रेस-वे फेज-2 और प्रमुख ओवरब्रिज

बैठक में एमआर 41 एक्सप्रेस-वे फेज-2 (लाभांडी से कचना होते हुए मोवा) के निर्माण में गति लाने के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और निगम के अधिकारियों को समन्वय के साथ काम करने को कहा गया। अग्रवाल ने निर्माणाधीन कोल्हान नाला पुल, महानदी पुल (टीला-हथखोज मार्ग), कचना-खामरडीह रेलवे ओवरब्रिज और शहर के मुख्य मार्गों पर प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया।

बैठक में एनएचएआई के द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों को लेकर भी चर्चा हुई एवं निर्माण कार्यों में गति लाने का निर्देश दिया गया लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बजटीय 92 निर्माण कार्यों में गति लाने का निर्देश दिया गया एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। यातायात को सुगम बनाने के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रिंग रोड पर शदाणी दरबार के पास हीरापुर समेत 5 ग्रेट सेपरेटर , रिंग रोड नंबर 2 जारवाय मार्ग पर निर्माणधीन ओवर पास, हीरापुर चौक पर ओवरपास, सरोना के समीप रिलायंस पेट्रोल पंप के पास ओवरपास तथा सिलयारी - मांढर ओवर ब्रिज सहित 2025- 26 के बजट के कार्यों को लेकर चर्चा की एवं अधिकारी को निर्देश दिए की सभी कार्य तय समय सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि जिन उद्देश्यों को लेकर यह कार्य स्वीकृत किए गए हैं उन लोगों को कार्य पूर्ण होने पर राहत मिल सके।

अग्रवाल ने रिंग रोड से पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर जाने वाली सड़क को जोड़ने के लिए रिंग रोड क्रॉस ना करना पड़े इस आधार पर एक अंडरपास के लिए सर्वे करने तथा प्रस्ताव तैयार करने का भी निर्देश दिया।

अग्रवाल ने कहा कि, रायपुर की जनता को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाना और शहर का आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया गया है कि बजट 2025-26 के सभी स्वीकृत कार्य और वर्तमान में जारी प्रोजेक्ट्स तय समय पर पूरे हों, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। बैठक में एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर दिग्विजय सिंह, नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, डीसीपी यातायात विवेक शुक्ला, सीएसपीडीसीएल, एसई एम विश्वकर्मा, सीई पीडब्ल्यूडी पी एम कश्यप, राजीव नशीने, विशाल त्रिवेदी, शंभू गुप्ता उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 634 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

अब तक 96 हजार से अधिक बच्चों की हो चुकी स्क्रीनिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 एवं 2 झांकी में 95 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 काठाडीह में 107 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र महामाया पारा में 104 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 फोकटपारा एवं कालीनगर में 102 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र रायपुरा में 123 बच्चों की स्क्रीनिंग एवं अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 07 एवं 09 उरला में 103 बच्चों की स्क्रीनिंग हुई व पूरे जिले में आज कुल 634 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

इस प्रोजेक्ट के तहत अब तक जिले में कुल 96 हजार से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग, 14 बच्चों का मेडिकल उपचार व प्रबंधन एवं 18 बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जा चुका है।

मंडी बोर्ड की परीक्षा 26 को, हाफशर्ट व चप्पल पहन देनी होगी परीक्षा

34,168 अभ्यर्थी होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यापमं द्वारा आयोजित मंडी बोर्ड उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को प्रदेशभर में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में कुल 34,168 अभ्यर्थी शामिल होंगे। राजधानी रायपुर सहित विभिन्न जिलों में इसके लिए 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है। व्यापमं ने अभ्यर्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए हैं। देर से आने वाले उम्मीदवारों को किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।परीक्षा में पारदर्शिता और नकल रोकने के लिए इस बार सख्त ड्रेस कोड लागू किया गया है। अभ्यर्थियों को हल्के रंग के कपड़े पहनकर आना अनिवार्य होगा। काले, गहरे नीले या हरे रंग के कपड़े पहनने पर पाबंदी रहेगी। इसके साथ ही केवल आधी बांह (हाफस्लीव) के कपड़े पहनने की अनुमति होगी, जबकि फुल स्लीव कपड़ों में प्रवेश नहीं मिलेगा।इसके अलावा जते, मोजे, बेल्ट और स्कार्फ पहनकर आने पर भी रोक लगाई गई है। अभ्यर्थियों को केवल चप्पल पहनकर परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा।परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। गेट पर पुलिस द्वारा सघन जांच (फ्रिस्किंग) की जाएगी। किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ब्लूटूथ या संदिग्ध वस्तु मिलने पर अभ्यर्थी की पात्रता तत्काल रद्द कर दी जाएगी।व्यापमं ने परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और सिविल सर्जनों को भी केंद्रों के निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी है। अभ्यर्थियों को सभी नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

धरा को बचाने की मुहिम : पुरनानगर में गूँजा 'एक पेड़ माँ के नाम' का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत जशपुर के ग्राम पंचायत पुरनानगर में आज विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया गया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से अपनी माता के सम्मान में एक वृक्ष लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भावनात्मक जुड़ाव को भी बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और अपने गांव को हरित एवं स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के जरिए प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल भी सिद्ध हुआ।

बीजापुर के विकास में सहभागी बनेगा मीडिया, कलेक्टर की नई पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। नक्सल-मुक्त बीजापुर को विकास की नई राह पर अग्रसर करने के उद्देश्य से कलेक्टर संबित मिश्रा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देने पर सार्थक चर्चा हुई।

चार दशकों की चुनौती के बाद नया अवसर- बीजापुर जिला पिछले चार दशकों से माओवाद प्रभावित क्षेत्र रहा है, जिसके कारण शासन की योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण रहा। अब नक्सल-मुक्त स्थिति बनने के बाद जिले के समग्र विकास के लिए सामुदायिक सहभागिता को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मीडिया की भूमिका पर हुई विस्तृत चर्चा- बैठक में मीडिया प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पूर्व में रिपोर्टिंग के दौरान किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वर्तमान में स्थितियां कैसे बदल रही हैं। साथ ही, स्थानीय समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को भी विस्तार से रखा गया।

समन्वय और पारदर्शिता पर जोर- कलेक्टर मिश्रा ने प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल, पारदर्शिता और सहभागिता को विकास की कुंजी बताया।

उन्होंने कहा कि मीडिया की सक्रिय भूमिका से योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना आसान होगा और जनभागीदारी भी बढ़ेगी। हर माह होगी नियमित बैठक- बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अब प्रत्येक माह के अंतिम मंगलवार को कलेक्टर और मीडिया प्रतिनिधियों के बीच बैठक आयोजित की जाएगी। इससे संवाद और समन्वय को निरंतर मजबूती मिलेगी।

कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय ने लगाया विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर

अधिकारी कर्मचारियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण, विभिन्न बीमारियों की दी आवश्यकतानुसार दवाईयॉं, दिया गया चिकित्सकीय परामर्श व सुझाव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच व स्वास्थ्य जागरूकता हेतु आयोजित किये जा रहे शिविरों की कड़ी में कल बुधवार को कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा द्वारा निगम कार्यालय साकेत में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर लगाया गया। महापौर संजूदेवी राजपूत ने शिविर का समापन किया तथा मुख्यमंत्री सायं व श्रम मंत्री देवांगन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के कार्यो की सराहना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के दिशा निर्देशों के अनुरूप कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में स्वास्थ्य व जांच शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में बुधवार को प्रात: 11 बजे से शाम 05 बजे तक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का आयोजन किया गया, कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के द्वारा आयोजित उक्त महत्वपूर्ण शिविर में निगम के 500 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, जोड़ो का दर्द, सरदर्द, अनिद्रा, हाईपरटेंशन, फीवर, एलर्जी, लीवर, किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याओं सहित विविध रोगों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई, शिविर में विभिन्न बीमारियों की दवाओं का पर्याप्त स्टाक रखा गया था, अधिकारी कर्मचारियों को चिकित्सकों ने आवश्यकतानुसार दवाईयॉं भी प्रदान की तथा विभिन्न चिकित्सकीय परामर्श व सुझाव दिया। महापौर संजूदेवी राजपूत ने उक्त विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर का समापन किया तथा कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा के चिकित्सकों व अन्य अधिकारी कर्मचारियों के कार्यो की सराहना करते हुये प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय बहादुर सिंह, डॉ.नीरज तिवारी, डॉ.ओमदत्त तिवारी, स्टाफनर्स मेरी संगीता, अरूणा राय सोने, फर्मासिष्ट उमेश कुमार मनहर, अंजू पटेल व अनिल ध्रुव, सहायक ग्रेड-3 ईश्वर प्रसाद सोनी, वार्ड ब्वाय खगेश्वर बेंद्रे, डिगेश कुमार एवं शुभम कर्ष ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

शिविर के समापन के दौरान निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्य अजय कुमार चन्द्रा, ममता यादव, फिरत राम साहू, योगेश मिश्रा, पूर्व पार्षद दीपक यादव, रामशंकर साहू, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, लेखाधिकारी भवकांत नायक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, अरूण मिश्रा, आनंद दुबे आदि के साथ निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएमएफएमई कार्यशाला : 14 हितग्राहियों के आवेदन स्वीकृत, स्वरोजगार को नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में मगरलोड जनपद पंचायत में आज प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को योजना के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में 35 प्रतिशत अनुदान की सुविधा, उद्योग स्थापना की प्रक्रिया तथा फूड प्रोसेसिंग से जुड़े संभावित व्यवसायों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं और किसानों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ दिव्या ठाकुर, उद्योग विभाग की प्रबंधक प्रचेता किरण एवं डीआरपी डॉ. संदीप मेश्राम सहित कृषि, उद्यानिकी और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। क्षेत्र के कृषकों और ग्रामीण हितग्राहियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के दौरान कुल 14 हितग्राहियों के आवेदन स्वीकृत किए गए, जिससे उन्हें शीघ्र ही योजना का लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए योजना का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यशाला स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित हुई।

खास खबर

ट्रक की टक्कर से 2 युवकों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मारी। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे युवक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य युवक घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा। पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ट्रक ने ही युवकों को रौंदा है। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार को अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी छेड़ीखेड़ी के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया और मुआवजा देने की मांग की। कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष पप्पू बंजारे के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में बैठकर उनका समर्थन किया।

ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर अधेड़ से 7 लाख की ठगी

रायपुर। विदेशी मुद्रा में निवेश करने पर ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर अज्ञात कालर ने 7 लाख रुपए से अधिक ठग लिए। तेलीबांधा पुलिस के अनुसार न्यू राजेन्द्र नगर निवासी बहादुर आर्य 55 ने कल देर रात रिपोर्ट दर्ज कराया। उसे 17 अप्रैल की दोपहर से 21 अप्रैल को शाम 5 बजे तक अज्ञात फोन नंबर 9112785936 के कालर ने विदेशी मुद्रा में निवेश में अधिक मुनाफे का आफर दिया। इसे फायदे का कारोबार जान बहादुर ने उसके बताए एकाउंट फोर केरेट फोरेक्स में 7.40 लाख रुपए अधिक निवेश किया। मुनाफा न आने पर ठगे जाने का अहसास हुआ और कल रात 10 बजे थाने पहुंच धारा 66 डी आईटी एक्ट और 318-4 का मामला दर्ज कराया।

महाराष्ट्र राज्य निर्मित 12.600 बल्क लीटर देशी दारू संत्री जप्त

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा बागनदी थाना अंतर्गत अमृत पाल सिंह भाटिया के बागनदी रिहायशी मकान से 140 नग प्रत्येक 90 एमएल कुल मात्रा 12.600 बल्क लीटर देशी दारू संत्री महाराष्ट्र राज्य निर्मित जप्त किया गया। आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक राजकुमार कुर्रे, मुख्य आरक्षक निजाम शाह सहित अनिल सिन्हा, मनीष शामिल थे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बालोद। जिले के डौंडी लोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत भेड़िया पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मौके पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मर्चुरी भेजकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शरीर का दर्द भगाने का झांसा देकर किया दुष्कर्म, हिमाचल से पकड़ाया निर्मल बाबा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले की एक महिला के साथ शरीर का दर्द भगाने का झांसा देकर ढोंगी बाबा ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद महिला के नाम पर फर्जी इंस्टा आईडी बनाकर उसमें अश्लील तस्वीरें भी वायरल की। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ढोंगी बाबा की तलाश शुरू की। आरोपी हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान स्वामी निर्मल उर्फ निर्मल बाबा (60), मूल निवासी नाशिक (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 11 अप्रैल 2026 को थाना पामगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि चैत्र नवरात्रि के दौरान आरोपी पामगढ़ क्षेत्र में पदयात्रा करते हुए आया था और खुद को चमत्कारी बाबा बताकर लोगों की समस्याएं दूर करने का दावा कर रहा था। इसी दौरान पीड़िता अपनी सहेली के साथ उससे मिलने पहुंची, जहां आरोपी ने उसका हाथ देखकर इलाज का झांसा दिया और मोबाइल नंबर ले लिया। बाद में आरोपी ने पीड़िता को 26 मार्च को बाजार में बुलाया और प्रसाद देकर अपने प्रभाव में ले लिया।

इसके बाद वह उसे अपने साथ बिलासपुर और फिर ट्रेन से मध्य प्रदेश के मैहर ले गया, जहां एक होटल में ठहराया। पीड़िता के अनुसार, वहां आरोपी ने शरीर दर्द के इलाज के नाम पर उसके साथ बार-बार जबरदस्ती अनाचार किया। 1 अप्रैल को आरोपी उसे बिलासपुर में छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद आरोपी ने पीड़िता को लगातार फोन कर परेशान किया। जब पीड़िता ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया, तो आरोपी ने उसके नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील फोटो पोस्ट कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल के निर्देशन में टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन और एसडीओपी अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी का लोकेशन ट्रेस कर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में दबिश दी पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

अनाचार मामले में आरोपी को 20 साल का कारावास

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग में मासूम के साथ अनाचार करने वाले आरोपी को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। घटना उस समय हुई जब पीड़िता आरोपी की दुकान पर सामान लेने गई थी। उस दौरान नशे में धुत आरोपी ने 5 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म किया। इस प्रकरण में अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ (एफटीएससी) अनीष दुबे की अदालत ने आरोपी जगन्नाथ बाग को 20 साल के सश्रम कारावास और एक हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

मामले में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक रूपवर्षा दिल्लीवार ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि घटना 4 फरवरी 2025 की है। पीड़िता की मां ने 6 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी बेटी दोपहर करीब डेढ़ बजे किराना की दुकान पर अपनी सहेली के साथ गई थी। करीब आधे घंटे बाद बच्ची रोते हुए घर पहुंची और बताया कि जगन्नाथ बाग ने उन्हें मारा है। जब सहेली की मां दुकान पर गई, तो आरोपी नशे में धुत मिला और विवाद करने लगा। 6 फरवरी की सुबह जब पीड़िता ने शारीरिक कष्ट की शिकायत की, तब विस्तार से पूछने पर घटना की जानकारी मिली।

शिकायत के आधार पर उतई पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने दोष सिद्ध करने के लिए कुल 13 गवाह पेश किए, जबकि बचाव पक्ष की ओर से कोई गवाह पेश नहीं किया जा सका। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को कड़ी सजा सुनाई।

बेटे ने की मां की हत्या, फिर थाने में किया खुद को सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। पारिवारिक विवाद के कारण बेटे ने अपनी 65 साल की मां की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी खुद थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे मामले ने और भी गंभीर रूप ले लिया। यह पूरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के मगरवाय ग्राम की बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी बेटे को तत्काल हिरासत में ले लिया है। वहीं घटना की सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम घटनास्थल पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. घर के अंदर महिला का शव गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जिसके सिर पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतका की पहचान बेबी बाई वर्मा (65 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी का नाम धनेश्वर प्रसाद वर्मा (42 वर्ष) बताया जा रहा है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी ने लकड़ी के पटिया से अपनी मां बुरी तरह हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी सीधे थाने पहुंचा और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

रायपुर में जिंदा पैंगोलिन के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

50 करोड़ बता रहे थे रेट, सौदेबाजी के दौरान फंसे, वन विभाग ने झोपड़ी से किया बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में जिंदा पैंगोलिन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार हुए हैं। वन विभाग की टीम ने दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पैंगोलिन को तस्करों से रेस्क्यू भी कर लिया गया है। आरोपी शिकार करने के बाद उसे बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान सौदेबाजी के दौरान वन विभाग को सूचना मिल गई। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया कि वन विभाग को सूचना मिली की दो व्यक्ति पैंगोलिन बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। मार्केट में इसका सौदा कर रहे हैं। इस सूचना पर वन विभाग की टीम को घेराबंदी के लिए मौके पर भेजा गया।

आरोपियों की लोकेशन भाठागांव के पास रावण भाटा मैदान के पास जानकारी मिली। टीम के कुछ सदस्य आरोपियों के पास अपनी पहचान छिपाकर बातचीत के लिए गए।

आरोपियों ने बताया 50 करोड़ रेट

इस बातचीत के दौरान आरोपियों ने पैंगोलिन की कीमत करीब 50 करोड़ रुपए बताई। जब उनसे पैंगोलिन दिखाने के लिए कहा गया तो वह पास में ही एक कॉलोनी के पीछे झोपड़ी के भीतर ले गए। जहां वह पैंगोलिन को छिपाकर रखे थे। पैंगोलिन जिंदा हालत में था। वन विभाग की टीम ने फौरन आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी प्यारेलाल गोपचे और गोखन हलदार बालाघाट और कांकेर जिले के रहने वाले हैं।

पूछताछ में होगा खुलासा

वन विभाग के अधिकारियों की मुताबिक आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने किस तरह पैंगोलिन का शिकार किया। इसके पहले भी ये कितने पैंगोलिन पकड़ चुके हैं। यह सब जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपियों का कोई नेटवर्क होगा तो उसे संबंध में भी पूछताछ की जा रही हैं। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग में गांजा बेचने वाले मां-बेटे पकड़ाए

डेरा बस्ती में 2.93 किलो गांजा और मोबाइल-कैश जब्त

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना इलाके में पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। डेरा बस्ती फरीद नगर में रहने वाली एक महिला और उसके बेटे को गांजा बेचते पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 2.93 किलो गांजा, एक मोबाइल और कैश बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, 21 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फरीद नगर की डेरा बस्ती में गांजा बेचा जा रहा है। पुलिस की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान आरोपी महिला नंदनी धुर्वे के पास से एक थैले में रखा 1.780 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 90 हजार रुपए बताई जा रही है।

नाबालिग के पास भी मिला गांजा

इसी दौरान उसके साथ मौजूद एक नाबालिग लड़के के पास से भी 1.150 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत करीब 55 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन और 300 रुपए कैश भी जब्त किए हैं। इस तरह कुल मिलाकर करीब 1 लाख 55 हजार रुपए की सामग्री जब्त की गई।

मां देती थी बेचने के लिए गांजा

पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि, यह गांजा उसकी मां ही उसे बेचने के लिए देती थी। बिक्री से जो पैसे मिलते थे, वह मां को ही सौंप देता था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मामले को और गंभीरता से लिया और दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया।

इस मामले में सुपेला थाने में केस दर्ज किया है। पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि नाबालिग को भी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई में लिया गया।

नेटवर्क की होगी जांच

पुलिस ने इस मामले में दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि कहीं इस नेटवर्क से और लोग भी जुड़े हुए तो नहीं हैं।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि, आरोपी महिला जल्दी पैसे कमाने के लालच में यह काम कर रही थी और अपने बेटे को भी इसमें शामिल कर लिया था। फिलहाल पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि गांजा कहां से लाया जा रहा था और इसे किन-किन लोगों को बेचा जा रहा था।

बीजापुर में शिक्षक ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट मिला

स्कूल बिल्डिंग निर्माण सम्बन्धी भुगतान के लिए दबाव के चलते ली अपनी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले के जिले के पालनार क्षेत्र में एक वरिष्ठ शिक्षक और प्रधान अध्यापक राजू पुजारी (42) ने से आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बीजापुर भेज दिया।

पुलिस जांच के दौरान मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार, इस नोट में राजू पुजारी ने मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का जिक्र किया है, साथ ही कुछ लोगों के नाम भी उल्लेखित किए गए हैं। स्कूल बिल्डिंग निर्माण सम्बन्धी भुगतान को ले कर दबाव डाला जा रहा था

घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस से मुलाकात कर पूरे मामले की गहन एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है, साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है। बीजापुर जिला अस्पताल के सामने ग्रामीण धरने पर बैठे हैं।

प्रदर्शन कर रहे नारायण मारकाम ने कहा की स्कूल बिल्डिंग निर्माण सम्बन्धी भुगतान को ले कर उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था, जिसके चलते ही उन्होंने ये कदम उठाया है। आदिनारायण पुजारी ने जानकारी दी कि ठेकेदार, इंजिनियर मृतक राजू पुजारी पर अधूरे काम का भी पूरा पेमेंट देने के लिए प्रेशर देते थे। मृतक को ऑफिस बुला कर भी डराया धमकाया जाता था। इस मामले पर बीजापुर कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सूक्ष्मता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में युवक पर तलवार-कड़े-चाकू से हमला, सिर, माथे और हाथ में आई चोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर तलवार, कड़े और चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। इस हमले में युवक के सिर, माथे और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, बोरियाखुर्द निवासी अरशद किसी काम से काशीराम नगर आया हुआ था। बताया जा रहा है कि उसका काशीराम नगर निवासी बलजीत और उसके

साथियों से पहले से विवाद चल रहा था। इसी पुराने विवाद के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। पीड़ित अरशद ने बताया, कि विवाद के दौरान आरोपी बलजीत, बॉबी, लक्की चंद्राकर और अन्य

साथियों ने मिलकर अरशद पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। आरोपियों ने तलवार, कड़े और चाकू से वार किए, जिससे अरशद गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही तेलीबांधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को ममता हॉस्पिटल भिजवाया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश में टीम जुटा दी गई है।

आरोपियों को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार

इधर, पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर मामूली कार्रवाई का आरोप लगाया है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी अजय झा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा।

गांजा तस्करी के मामले में 7 साल की सजा

रायपुर। शहर के गंज थाना क्षेत्र में स्टेशन चौक गेट नंबर-2 के पास अवैध रूप से गांजा बेचने की तैयारी कर रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़कर उसके कब्जे से 15 किलो 70 ग्राम गांजा जब्त किया था। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 7 साल के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

पुलिस के मुताबिक 21 जून 2024 को गंज थाना के सहायक उपनिरीक्षक शंकर साहू पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि दो युवक काले रंग के बैग में गांजा लेकर स्टेशन चौक के पास बिक्री के लिए खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी विकास पांडे के पास से तीन पैकेट में कुल 15 किलो 70 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर ही तौल कर गांजा जब्त किया और सीलबंद किया। पूछताछ के दौरान आरोपी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

जब्त नमूनों को जांच के लिए एफएसएल रायपुर भेजा गया, जहां रिपोर्ट में गांजा होना पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर चालान न्यायालय में पेश किया।

मामले की सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) किरण थवाईत ने आरोपी विकास पांडे को धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी पाते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर 1 वर्ष अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

2400 नशीले कैप्सूल सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। जगदलपुर शहर में नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। बोधघाट थाना पुलिस को 21 अप्रैल की शाम सूचना मिली कि गंगामुंडा तालाब चौपाटी में दो व्यक्ति बैग में नशीली दवाएं रखकर ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम राजेश यादव (50) निवासी तेतरखुटी और मोनू गुप्ता (26) निवासी गांधीनगर वार्ड बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से 100 स्ट्रिप (300 पत्ता) में कुल 2400 नशीली कैप्सूल जब्त की गई।

प्रमुख खबरें

नो प्लास्टिक की ब्रांड एंबेसडर शुभांगी ने राज्यपाल श्री डेका से की मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में नो प्लास्टिक अभियान की ब्रांड एंबेसडर शुभांगी आप्टे ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने रायपुर नगर निगम क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और जनजागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। श्रीमती आप्टे ने बताया कि अब तक वे स्कूलों, बैंकों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 55 हजार से अधिक कपड़े की थैलियों का वितरण कर चुकी हैं। दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि में 6 पुस्तकों का प्रकाशन कराया गया है। साथ ही शासकीय अस्पतालों में जरूरतमंद माताओं और नवजात शिशुओं के लिए जच्चा-बच्चा किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। राज्यपाल ने उनके सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कोपाबेड़ा जलाशय के कार्यों के लिए 3.34 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कोण्डागांव जिले के कोपाबेड़ा जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 3 करोड़ 34 लाख 31 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। प्रस्तावित कार्यों के उपरांत योजना की रूपांकित सिंचाई 166 हेक्टेयर में 96 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। मुख्य अभियंता गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

बिंजाम एनीकट के कार्यों के लिए 4.95 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा दंतेवाड़ा जिले के विकासखण्ड-गीदम के बिंजाम एनीकट के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम बचाव कार्य के लिए 4 करोड़ 95 लाख 12 रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के तहत बांयी तट में 275 मीटर एवं दांयी तट में 275 मीटर कुल 550 मीटर में तटरक्षण कार्य किया जाना है।

3147 करोड़ से बनेगी 627 किलोमीटर लंबी सड़क

रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर के महति हिस्से पर काम शुरू, जशपुर की खुलेगी किस्मत

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती पर रखी गई आधारशिला अब धरातल पर उतर आई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक 3147 करोड़ रूपये की लागत वाले मेगा परियोजना का निर्माण कार्य जमीनी स्तर पर शुरू कर दिया है।

627 किलोमीटर लंबे रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण और विशाल हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। कुल लंबाई का लगभग 384 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ में है। वर्तमान में 104.250 किलोमीटर लंबे पत्थलगांव-झारखंड सीमा खंड पर निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है।

इस खंड में कुल 382 छोटी-बड़ी संरचनाएं (पुल, अंडरपास आदि) बनाई जाएंगी, जो इस मार्ग को बाधारहित बनाएंगी। जिसमें 7 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 6 फ्लाईओवर और एक एलीवेटेड वायडक्ट स्ट्रक्चर, 10 वेहिकुलर अंडरपास, 18 लाइट वेहिकुलर अंडरपास, 26 स्मॉल वेहिकुलर अंडरपास, 11 ईओपी, 21 मवेशी एवं पैदल यात्री अंडरपास और 278 बॉक्स पुलिया का निर्माण किया जा रहा है

कनेक्टिविटी होगी मजबूत

कोरबा परियोजना इकाई के परियोजना निदेशक डीडी पार्लावर ने बताया कि यह खंड रायपुर-धनबाद कॉरिडोर की रीढ़ है जिसका निर्माण कार्य शुरू हो गया है। हमारा लक्ष्य इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करना है। यह राजमार्ग छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच इंटर-स्टेट कनेक्टिविटी और व्यापारिक परिवहन को नई मजबूती देगा।

यह कॉरिडोर जशपुर जिले के लिए केवल सड़क नहीं, बल्कि लाइफलाइन साबित होगा। इसे इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह अंचल के महत्वपूर्ण नगरों- पत्थलगांव, कांसाबेल, कुनकुरी, दुलदुला और जशपुर को एक सूत्र में पिरोएगा। साथ ही, यह राजमार्ग रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जैसे औद्योगिक शहरों को सीधे झारखंड के धनबाद से जोड़कर व्यापारिक सुगमता प्रदान करेगा।

तेज और सुरक्षित कनेक्टिविटी के परिणामस्वरूप ईंधन, यात्रा समय और कुल परिवहन लागत में बचत होगी।

राजिम के सस्पेंशन ब्रिज से सुगम होगा आवागमन-दर्शन, पर्यटन को मिलेगा बल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा गरियाबंद जिले के विकासखण्ड राजिम अंतर्गत महानदी पर राजीव लोचन मंदिर से कुलेश्वर महादेव मंदिर तक तथा कुलेश्वर महादेव मंदिर से लोमेश ऋषि आश्रम तक सस्पेंशन ब्रिज निर्माण कार्य के लिए 40.60 करोड़ (चालीस करोड़ साठ लाख रुपये) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

राज्य शासन ने निर्देश दिए हैं कि कार्य स्वीकृत राशि एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करना तथा ड्राइंग एवं डिजाइन का अनुमोदन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक रखा जाएगा तथा कम से कम 75 प्रतिशत बाधारहित भूमि उपलब्ध होने पर ही निविदा आमंत्रित की जाएगी।

यदि कार्य में भू-अर्जन प्रस्तावित है, तो स्वीकृत राशि की सीमा के अंतर्गत ही व्यय किया जाएगा तथा बिना पूर्व स्वीकृति किसी अन्य मद की बचत राशि से भू-अर्जन की कार्यवाही नहीं की जाएगी। यदि भू-अर्जन प्रस्तावित नहीं है तो शासकीय भूमि पर ही निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। इस कार्य के पूर्ण होने पर क्षेत्र में बेहतर संपर्क सुविधा विकसित होगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, धार्मिक पर्यटन एवं आमनागरिकों को व्यापक लाभ मिलेगा।

राजवाड़े के प्रयासों से पहली बार पहुंची चांदनी बिहारपुर के इन दर्जनों गांव - टोलों तक बिजली

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से आजादी के बाद पहली बार सूरजपुर जिले के वनांचल क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल साकार हुई है।

भटगांव विधानसभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों और आश्रित टोलों के विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े की पहल पर कोल्हुआ: पुराना स्कूलपारा, खासपारा, जमतीपारा और बोकराटोला-2 के विद्युतीकरण को मंजूरी दी गई है।

महुली: हरिजनपारा, खासपारा-1 व 2, पांडोपारा, पोखरापारा, स्कूलपारा, पहेतापारा और पहाड़पारा में बिजली विस्तार का कार्य होगा।

करोटी: खासपारा, इमलीडीह, पोड़ीडोल, पोरेतपारा, परसापारा और गुलरडांडपारा जैसे क्षेत्रों में रोशनी पहुँचेगी।

चोंगा: मधवानीपारा, आमपारा, खासपारा और श्यामपारा के निवासियों को बिजली की सुविधा मिलेगी।

इसके साथ ही कछवारी (पांडोपारा, स्कूलपारा), खैरा (रेडियापारा-1 व 2), नवडीहा (मेन रोड) और कछिया (नवडीहा चौक) में भी विद्युतीकरण का कार्य किया जाएगा। इन क्षेत्रों में आजादी के बाद पहली बार नियमित विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे व्यापक स्तर पर ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी।

परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता को सौंपी गई है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके।

वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की यह लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से 28 से अधिक विद्युतीकरण कार्यों को मंजूरी मिली।

इस पहल से न केवल घरों में उजाला होगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी नई गति मिलेगी। श्रीमती राजवाड़े ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया।

जल जीवन मिशन से बदली एमसीबी जिले की तस्वीर, घर-घर हो रही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत बरौता अंतर्गत ग्राम धनौली में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन ने ग्रामीण जीवन को नई दिशा दी है। हर घर नल से जल योजना के तहत अब गांव के प्रत्येक घर तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

पूर्व में ग्राम धनौली के ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। महिलाएँ और बच्चे दूर-दराज के जल स्रोतोंकुकुओं, तालाबों और हैंडपंपोंकुसे पानी लाने में घंटों समय और श्रम लगाते थे। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती थी।

वर्तमान में योजना के सफल क्रियान्वयन से स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता, जिससे उनके दैनिक जीवन में सहजता आई है। इस परिवर्तन का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिला है, जो अब अपने समय का उपयोग परिवार और अन्य उत्पादक कार्यों में कर पा रही हैं।

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है और ग्रामीणों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। बच्चों की पढ़ाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ग्रामीणों ने इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने गांव की तस्वीर बदल दी है और अब स्वच्छ पानी की उपलब्धता ने जीवन को सरल और सुरक्षित बना दिया है।

बदल रही कृषि की दिशा और दशा

'अब्दुल कलाम' लेमनग्रास बनी किसानों की खुशहाली का साधन, पानी कम-उपज अधिक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लेमनग्रास की खेती कम पानी, बंजर जमीन और न्यूनतम मेहनत में बंपर मुनाफा देने वाला एक बेहतरीन विकल्प है। इसे एक बार लगाने के बाद 5-6 साल तक कटाई की जा सकती है और इसके तेल की भारी मांग के कारण यह पारंपरिक फसलों की तुलना में 3-4 गुना ज्यादा कमाई देती है।

छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत कार्यरत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने कम पानी वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए एक नई पहल शुरू की है। वन मंत्री केदार कश्यप, बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने ऐसे किसानों की चिंता जताई है, जिन्हें पानी की कमी के कारण खेती में दिक्कतों और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बोर्ड के सीईओ श्री जेएसीएस राव ने बताया कि पानी की कमी वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए लेमनग्रास की उन्नत 'अब्दुल कलाम' किस्म के पौधे निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही किसानों को इसकी खेती का प्रशिक्षण भी मुफ्त दिया जाएगा। यह फ्सल कम पानी और कम लागत में अच्छी आय देने वाली कैश क्रॉप साबित हो रही है।

'अब्दुल कलाम' किस्म में सिट्रल की मात्रा 75 से 80 प्रतिशत तक होती है, जो इसे उच्च गुणवत्ता वाला बनाती है। इस किस्म का उपयोग इत्र, फ्लेवर और सुगंध उद्योग में आवश्यक तेल निकालने के लिए किया जाता है।

यह फसल कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी आसानी से उगाई जा सकती है। इसके लिए बलुई दोमट मिट्टी और अच्छी जल निकासी उपयुक्त रहती है। रोपण के समय पौधों के बीच 40 गुना 40 सेंटीमीटर की दूरी रखी जाती है। लेमनग्रास की यह किस्म न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है, बल्कि जल संरक्षण और भूमि सुधार में भी महति निभाती है।

सुशासन पर्व के लिए आवेदन संग्रहण प्रारंभ

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार आगामी सुशासन तिहार के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में 22 से 29 अप्रैल तक जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में हल्का पटवारी एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। आज जिले के विभिन्न तहसीलों में ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों से आवेदन लिए गए। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त आवेदनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित विभागों को निराकरण हेतु अग्रेषित किया जाएगा, ताकि समय-सीमा में उनका समुचित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। 1 मई से शुरू होने वाले इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना है।

वर्मी कम्पोस्ट बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल, खाद पर खर्च हुआ कम, खेतों की सेहत भी रहेगी सुरक्षित

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) उत्पादन ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, विशेषकर महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की एक बेहतरीन मिसाल बन गया है। यह कम लागत वाला व्यवसाय न केवल जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करके मिट्टी की उर्वरता को भी पुनर्स्थापित कर रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल ने नवाचार और बेहतर प्रबंधन से एक नई सफलता की कहानी लिखी है। यहां गुडली रोपणी में वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) का उत्पादन शुरू कर न केवल अपनी जरूरतें पूरी की जा रही हैं, बल्कि अब यह मंडल आय अर्जित करने की दिशा में भी आगे बढ़ चुका है।

गुडली रोपणी में बिना अतिरिक्त बजट लिए, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर वर्मी कंपोस्ट उत्पादन शुरू किया गया। यहां 6 वर्मी टैंकों के माध्यम से केवल 3 माह में 150 क्विंटल खाद तैयार की गई। इस आधार पर सालभर में लगभग 600 क्विंटल उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल यह साबित करती है कि सही योजना और प्रबंधन से सीमित संसाधनों में भी बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

खरीदार से बने विक्रेता

पहले कवर्धा परियोजना मंडल को अपनी नर्सरी के लिए बाहर से खाद खरीदनी पड़ती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। अपनी जरूरतें पूरी करने के बाद भी यहां 500 क्विंटल से अधिक वर्मी कंपोस्ट अतिरिक्त रूप से उपलब्ध है, जिसे अन्य परियोजना मंडलों को बेचा जाएगा। इससे परिवहन और खरीद लागत में बचत होगी और निगम को आय भी बढ़ेगी।

स्थानीय को मिला रोजगार

इस परियोजना का लाभ केवल विभाग तक सीमित नहीं है। खाद निर्माण कार्य में स्थानीय ग्रामीणों को जोड़ा गया है, जिससे उन्हें गांव के पास ही रोजगार मिल रहा है और उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है।

ब्रांड बनकर उतरेगा उत्पाद

वन विकास निगम अब इस वर्मी कंपोस्ट को एक ब्रांड के रूप में बाजार में लाने की तैयारी कर रहा है। भविष्य में इसकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग से न केवल आय बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए और अधिक रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

नक्सल मुक्त बस्तर में पड़ने लगे मशहूर हस्तियों के पांव

तेंदुलकर के बस्तर आगमन से मजबूत हुई बदलते छत्तीसगढ़ की तस्वीर, बढ़ा हौसला

■ छात्र जीवन में प्रतिभा के साथ अनुशासन एवं मेहनत जरूरी- श्री तेंदुलकर

श्रीकंचनपथ समाचार

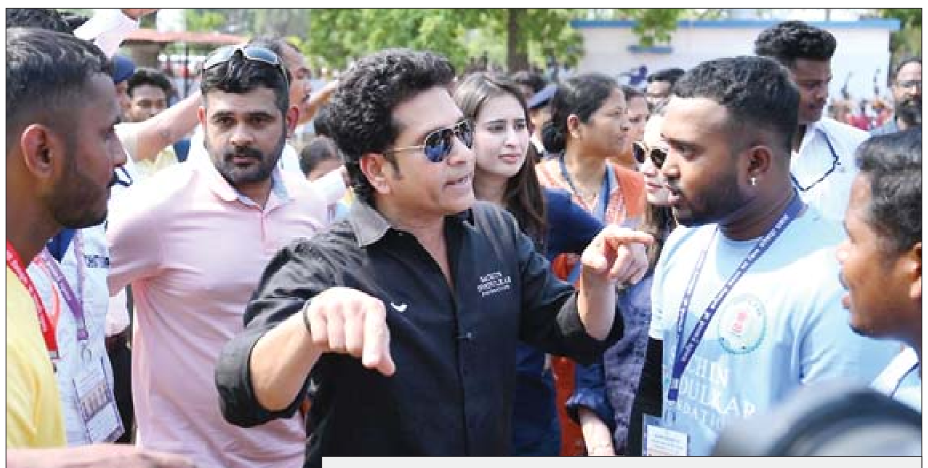

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले का स्वामी आत्मानंद हिन्दी मिडियम हाई स्कूल छिंदनार गाँव बुधवार को एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना, जहाँ क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सचिन तेंदुलकर एवं मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित मल्टी-स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मानदेशी फाउंडेशन की फाउंडर चेतना सिन्हा भी मौजूद रहीं, जो इस क्षेत्र में बुनियादी विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिलकर कार्य कर रही हैं। तेंदुलकर परिवार की भी विशेष उपस्थिति रही।

आरम्भ में सचिन, सारा और सोनिया ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने न केवल बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ शामिल होकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया।

इस दौरान रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो-खो जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास हुआ। साथ ही, सचिन, सारा और सोनिया के सहयोग से बच्चों को प्रोत्साहन मिला और वे नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए।

उल्लेखनीय है कि छिंदनार के गांव के ही छात्र छात्राएं भूमिका ठाकुर, नियासा मौर्य, निर्मला तरमा, पायल ठाकुर, सीताराम पुनर्म, अमित कुमार द्वारा श्री तेंदुलकर को खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

सचिन तेंदुलकर ने देश की युवा प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए केवल व्यक्तिगत जुनून पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर आधुनिक और सुदृढ़ खेल सुविधाओं का होना अनिवार्य है।

इस दौरान सचिन ने खुद को केवल क्रिकेट पिच तक सीमित न रखते हुए वॉलीबॉल और अन्य मैदानी खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि विभिन्न खेलों में भागीदारी करने से खिलाड़ियों की रणनीतिक समझ और मानसिक परिपक्वता बढ़ती है।

श्री तेंदुलकर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के प्रारंभ होने में उनकी पत्नी अंजली का सर्वाधिक योगदान है।

फाउंडेशन की इस दूरगामी पहल के तहत क्षेत्र के 50 गाँवों में इसी तरह के खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं, जहाँ क्रिकेट के साथ-साथ फुटबॉल और कबड्डी जैसी विधाओं को भी समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही सचिन तेंदुलकर ने छात्रों को प्रेरणा देते हुए कहा कि उन्होंने जीवन की शुरुआत मैदान से ही किया था और आज इन सभी बच्चों को देख कर पुरानी यादें ताजा हो रही है। उन्होंने कहा कि यहां सब ऐसे हीरे उपस्थित है जिन्हें तराशा जाना है क्योंकि हीरे की कीमत उसके पॉलिश करने के उपरांत ही होती है और उन्हें खुशी है कि माणदेशी फाउंडेशन के कोच बच्चों की प्रतिभा को तराशने का काम बखूबी कर रहे हैं। जीवन में कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा का संगम ही व्यक्ति को ऊंचाइयों पर ले जाता है। सफलता के लिए जरूरी है कि हम शॉर्टकट के बजाय अपने उसूलों और उपरोक्त सिद्धांतों पर अमल करें।

अपने पिता को याद करते हुए सचिन ने छात्रों से कहा कि वे खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बना कर चलें।

इस अवसर पर कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि बस्तर अब नक्सल मुक्त होकर शांति और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य और संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र है, जहां के बच्चों में अपार प्रतिभा है।

इस अवसर पर कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, डीएफओ रामकृष्ण रंगनाथा वाय, सहित जनप्रतिनिधि, सचिन एवं माणदेशी फाउंडेशन के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

तेंदुलकर के सान्निध्य से जनजातीय बच्चों को मिलेगी प्रेरणा और नई ऊर्जा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट किया कि दंतेवाड़ा के सुदूर वनांचल ग्राम छिंदनार में सचिन तेंदुलकर का आगमन बदलते हुए बस्तर की सशक्त पहचान है। यह दौरा बस्तर की उस तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो अब भय और असुरक्षा की छाया से निकलकर विकास, अवसर और आत्मविश्वास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की पहल बस्तर के युवाओं को नई दिशा देंगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेंगी। श्री तेंदुलकर के प्रवास से बच्चों में आत्मविश्वास का संचार होगा। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन एवं माणदेशी फाउंडेशन द्वारा संचालित 'मैदान कप अभियान' खेल अधोसंरचना के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जनजातीय अंचलों में बच्चों को खेल मैदान और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना का यह प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल और युवा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950